Website : http://svadeshprem.com E-mail: svadeshprem0@gmail.com

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित

वाराणसी मेरी अब तक की... 06

वर्ष-01 अंक-43 नई दिल्ली शुक्रवार,31 जुलाई 2026 R.N.I NO : DELHIN/2022/86452 पृष्ठ- 8 मूल्य-01 रुपये

मानसून सत्र में नहीं आएगा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल

जेपीसी का कार्यकाल बढ़ा, अब शीतकालीन सत्र से पहले सौंपेगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मौजूदा मानसून सत्र में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पेश नहीं किया जाएगा। इस विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। अब समिति को अपनी रिपोर्ट संसद के शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक सौंपनी होगी।

सरकार की ओर से मानसून सत्र में इस विधेयक को लाने की चर्चा थी, लेकिन अब स्पष्ट हो गया है कि इस सत्र में न तो विधेयक पेश होगा और न ही इस पर चर्चा होगी। सूत्रों के अनुसार, समिति को विभिन्न पक्षों से सुझाव लेने और विधेयक के सभी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। इसी कारण जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाया गया है।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' का उद्देश्य लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराना है। सरकार का कहना है कि इससे चुनावी खर्च कम होगा, प्रशासनिक व्यवस्था पर बार-बार पड़ने वाला बोझ घटेगा और विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी।

यह विधेयक पिछले वर्ष संसद में पेश किए जाने के बाद जांच के लिए जेपीसी को भेजा गया था। समिति में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद शामिल हैं। अब तक समिति चुनाव आयोग, विधि आयोग, राजनीतिक दलों और संवैधानिक विशेषज्ञों से सुझाव ले चुकी है।

जेपीसी का कार्यकाल बढ़ने के बाद अब इस विधेयक पर आगे की प्रक्रिया समिति की रिपोर्ट आने के बाद शीतकालीन सत्र में ही आगे बढ़ सकेगी। विपक्ष इस प्रस्ताव को लेकर पहले से ही सवाल उठाता रहा है। उसका कहना है कि एक साथ चुनाव कराने से क्षेत्रीय दलों पर असर पड़ सकता है और संघीय ढांचे को चुनौती मिलेगी। वहीं, सरकार इसे लोकतंत्र को मजबूत करने और संसाधनों की बचत की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार बता रही है।

नीट प्रदर्शनकारियों को दिल्ली सरकार की राहत, नहीं होगी कानूनी कार्रवाई

13 एफआईआर की होगी समीक्षा, पात्र गिरफ्तार लोगों की रिहाई की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों और प्रदर्शनकारियों को दिल्ली सरकार ने बड़ी राहत दी है। गृह विभाग ने आदेश जारी कर कहा है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही दर्ज मामलों की समीक्षा कर पात्र गिरफ्तार लोगों की रिहाई की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

प्रधान सचिव (गृह) संतोष डी. वैद्य द्वारा जारी आदेश के अनुसार, 29 जुलाई तक नीट यूजी विरोध प्रदर्शनों से जुड़े कुल 13 एफआईआर दर्ज की गई थीं। इन मामलों पर सुप्रीम कोर्ट के 28 जुलाई 2026 के आदेश के बाद विचार करते हुए दिल्ली सरकार ने यह निर्णय लिया है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि एनसीटी दिल्ली के भीतर विरोध प्रदर्शनों में शामिल लोगों के खिलाफ भविष्य में कोई नई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं होगी और इस मामले को यहीं समाप्त माना जाएगा। हालांकि, जिन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उन्हें यह राहत नहीं मिलेगी। ऐसे मामलों में कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप जारी रहेगी।

आदेश में यह भी कहा गया है कि प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए लोगों के मामलों की समीक्षा की जाएगी। पात्र पाए जाने पर उनकी रिहाई की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी।

यह आदेश उपराज्यपाल की मंजूरी के बाद जारी किया गया है। इसकी प्रतिलिपि मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त और अभियोजन निदेशालय को भी भेजी गई है।

गौरतलब है कि नीट यूजी परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर दिल्ली में विभिन्न छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किए थे। इस दौरान कई स्थानों पर पुलिस कार्रवाई हुई और 13 एफआईआर दर्ज की गई थीं। अब सरकार के नए फैसले से प्रदर्शनकारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

होर्मुज संकट के बीच पीएम मोदी ने बुलाई हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद स्थित अपने कार्यालय में कैबिनेट मंत्रियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहे। मीटिंग में शामिल अन्य मंत्रियों में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्री सबानंद सोनोवाल शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, यह मीटिंग पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की ऊर्जा और ईंधन आपूर्ति पर इसके असर की समीक्षा करने के लिए बुलाई गई थी। होर्मुज जलडमरूमध्य अभी बाधित है, जिसके कारण वैश्विक बाजारों में पेट्रोलियम उत्पादों की कमी हो गई है और कीमतें बढ़ गई हैं। इस क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों पर हमलों के कारण स्थिति और जटिल हो गई है।

अहमदाबाद में 2.6 तीव्रता का भूकंप

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद जिले के निकट बावला क्षेत्र में गुरुवार तड़के रिक्टर स्केल पर 2.6 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया गया। वैज्ञानिक डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि यह बेहद कम तीव्रता का भूकंप था, जिसे सामान्य लोगों द्वारा महसूस किए जाने की संभावना नहीं है। इसके झटके केवल संवेदनशील भूकंप-मापी उपकरणों में दर्ज हुए हैं और इससे किसी प्रकार के नुकसान की आशंका नहीं है। डॉ. संतोष कुमार ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि आज सुबह लगभग 4:40 बजे रिक्टर स्केल पर 2.6 तीव्रता का भूकंप रिकॉर्ड किया गया। इसका केंद्र अहमदाबाद से लगभग 25 किलोमीटर दूर बावला क्षेत्र के पास स्थित था। यह एक आइसोलेटेड सिस्मिक इवेंट है और इसकी तीव्रता इतनी कम थी कि संभवतः आसपास के लोगों ने इसके झटके महसूस भी नहीं किए होंगे।

2 अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाएगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने कावेरी जल विवाद पर राज्य की आगे की रणनीति तय करने के लिए 2 अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने गुरुवार को नई दिल्ली में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बैठक उनके आधिकारिक आवास 'कृष्णा' में आयोजित होगी। डी. के. शिवकुमार ने बताया कि बैठक में राज्य के सभी पूर्व मुख्यमंत्री, कावेरी बेसिन क्षेत्र के सांसद, सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और विधानसभा में विभिन्न दलों के फ्लोर लीडरों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बैठक में कावेरी जल विवाद पर राज्य की भावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

मध्य प्रदेश में किसानों का आंदोलन खत्म

भोपाल। करीब तीन दिन तक चले गतिरोध के बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में किसानों का आंदोलन खत्म हो गया है। प्रदेश के कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने मूंग की 60 फीसदी तक खरीद की घोषणा की। इसके साथ ही सरकार ने स्लॉट बुकिंग की अवधि 10 अगस्त तक बढ़ा दी है, जबकि मूंग खरीद की अंतिम तारीख 20 अगस्त कर दी गई है। इसके अलावा, खाद वितरण में लागू ई-टोकन व्यवस्था फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने बताया कि सरकार ने किसानों की कुछ प्रमुख मांगें स्वीकार कर ली हैं। हालांकि, कुछ किसान नेता इस फैसले से पूरी तरह सहमत नजर नहीं आ रहे थे। उनका कहना था कि उनसे लगातार बातचीत की जा रही है, ताकि सभी की सहमति से आंदोलन को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त किया जा सके। शुरूआत में किसानों और सरकार के बीच कई दौर की बातचीत हुई, लेकिन किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे और मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने की कोशिश भी की।

वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद ही लागू किया गया ई20 पेट्रोल : सरकार

संसद में दावा- पुराने वाहनों पर भी नहीं मिला कोई बड़ा नकारात्मक असर, इंजन खराब होने का सत्यापित मामला नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को संसद में स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रित ई20 पेट्रोल को देशभर में लागू करने से पहले व्यापक वैज्ञानिक परीक्षण, फील्ड ट्रायल और संबंधित संस्थाओं से विस्तृत परामर्श किया गया था। सरकार के अनुसार, निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल पुराने और नए दोनों प्रकार के वाहनों के लिए सुरक्षित है।

लोकसभा में लिखित उत्तर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल कंपनियों, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) और अन्य तकनीकी संस्थानों के सहयोग से वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद लागू किया गया।

उन्होंने बताया कि ई20 लागू करने से पहले प्रयोगशाला और वास्तविक परिस्थितियों में व्यापक परीक्षण किए गए। इनमें इंजन की मजबूती, ड्राइविंग प्रदर्शन, स्टार्टिंग क्षमता, जंग-रोधी क्षमता, पुर्जों की अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की गई। परीक्षणों में ई20 पेट्रोल को सुरक्षित पाया गया।

सरकार के अनुसार, अध्ययन में पुराने वाहनों के प्रदर्शन में कोई उल्लेखनीय गिरावट या इंजन व अन्य पुर्जों में असामान्य घिसावट नहीं मिली। पिछले साढ़े तीन वर्षों से ई15+ और करीब ढाई वर्षों से ई19-ई20 पेट्रोल के व्यापक उपयोग के दौरान एथेनॉल मिश्रण के कारण इंजन खराब होने या बड़े पैमाने पर वाहन खराब होने का कोई सत्यापित मामला सामने नहीं आया।

सरकार ने बताया कि देश में अब तक 20 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन और 3 करोड़ से ज्यादा पेट्रोल कारें इन मिश्रित ईंधनों का उपयोग कर चुकी हैं। वाहन निमार्ताओं के सर्विस डेटा में भी ई20 के कारण असामान्य जंग, पुर्जों की आयु में कमी या तकनीकी खराबी के प्रमाण नहीं मिले हैं। सभी प्रमुख वाहन निमार्ता ई20 ईंधन वाले वाहनों पर वारंटी भी जारी रखे हुए हैं।

मंत्री ने कहा कि यदि परीक्षण संतोषजनक नहीं होते तो वाहन निमार्ता न तो ई20 के उपयोग को मंजूरी देते और न ही वारंटी जारी रखते। सरकार का दावा है कि ई20 से आधुनिक इंजनों का प्रदर्शन बेहतर होता है, ईंधन का दहन अधिक प्रभावी होता है और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आती है।

दिल्ली सरकार जल्द लाएगी 'दिल्ली लैंड रिकॉर्ड बिल, 2026'

संपत्तियों का बनेगा 'प्रॉपर्टी आधार कार्ड'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार जल्द दिल्ली लैंड रिकॉर्ड बिल, 2026 लाने जा रही है। इस कानून के लागू होने के बाद पूरी दिल्ली की प्रत्येक संपत्ति का वैज्ञानिक सर्वे कर उसका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक संपत्ति के लिए एक विशिष्ट प्रॉपर्टी आधार कार्ड बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जिस प्रकार आधार कार्ड ने प्रत्येक नागरिक की पहचान को एक विश्वसनीय स्वरूप प्रदान किया है, उसी प्रकार अब दिल्ली की प्रत्येक संपत्ति की भी एक प्रमाणिक और सुरक्षित डिजिटल पहचान सुनिश्चित की जाएगी। इससे राजधानी में संपत्तियों के रिकॉर्ड पारदर्शी, व्यवस्थित और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनेंगे। इस विधेयक को लेकर सरकार अलग से विधानसभा का विशेष सत्र भी बुलाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार पहले चरण में केंद्र सरकार की 'स्वामित्व' योजना के तहत 30 ग्रामीण गांवों में आधुनिक तकनीक और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सहयोग से ड्रोन सर्वे कर स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड तैयार कर चुकी है।

योगी सरकार का 3 से 10 अगस्त तक चलेगा 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0'

- योगी सरकार की पहल, प्रदेशभर के आईटीआई में लगेंगे रोजगार शिविर, स्वरोजगार योजनाओं की भी मिलेगी जानकारी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए 3 से 10 अगस्त तक प्रदेशव्यापी 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0' चलाएगी। अभियान के तहत सभी राजकीय आईटीआई में विशेष रोजगार गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जहां दिव्यांग अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। अभियान का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण प्राप्त दिव्यांग युवाओं सहित अन्य पात्र अभ्यर्थियों को रोजगार से जोड़ना है।

अभियान के दौरान जिला उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन केंद्र औद्योगिक इकाइयों और व्यावसायिक संस्थानों से रिक्तियों की जानकारी जुटाएगा। वहीं एमएसएमई विभाग स्वरोजगार योजनाओं तथा लीड बैंक के माध्यम से ऋण एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग करेगा।

बिना फायर एनओसी चल रहा नोएडा इंडोर स्टेडियम

100 करोड़ की परियोजना में अग्नि सुरक्षा मानकों में मिलीं खामियां

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-21ए स्थित करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बने नोएडा इंडोर स्टेडियम का संचालन बिना वैध फायर एनओसी के किए जाने का मामला सामने आया है। खुलासे के बाद अग्निशमन विभाग ने स्टेडियम का निरीक्षण किया, जिसमें अग्नि सुरक्षा से जुड़ी कई गंभीर खामियां मिलीं। इस बीच 1 अगस्त को प्रस्तावित बड़े म्यूजिक कॉन्सर्ट को लेकर भी सुरक्षा संबंधी सवाल खड़े हो गए हैं।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार चौबे के निर्देश पर हुई जांच में पाया गया कि स्टेडियम में स्थापित कई फायर फाइटिंग उपकरण अक्रियाशील हैं और निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानकों का पूरा पालन नहीं किया गया है। इसके बाद फायर विभाग ने स्टेडियम का संचालन कर रही कंपनी से जवाब मांगा है। साथ ही नोएडा प्राधिकरण को भी इस संबंध में पत्र भेजा गया है।

सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि स्टेडियम प्रबंधन को पहले भी कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन होने तक फायर एनओसी जारी नहीं की जाएगी और सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं होगा।

नोएडा इंडोर स्टेडियम में प्रतिदिन 500 से 1,000 खिलाड़ी और खेल प्रेमी विभिन्न खेल गतिविधियों के लिए पहुंचते हैं। यहां जिम, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कराटे, बॉक्सिंग और बास्केटबॉल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ऐसे में बिना फायर एनओसी के संचालन को खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और दर्शकों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय माना जा रहा है।

सबसे बड़ा सवाल 1 अगस्त को प्रस्तावित म्यूजिक कॉन्सर्ट को लेकर उठ रहा है, जिसमें हजारों लोगों के पहुंचने और कई वीवीआईपी अतिथियों के शामिल होने की संभावना है।

मंजलपुर उपचुनाव : शाम 5 बजे तक 34.35% मतदान

पूर्व मंत्री योगेश पटेल के निधन से रिक्त हुई सीट पर शांतिपूर्ण मतदान, मतगणना 3 अगस्त को होगी

वडोदरा, एजेंसी। गुजरात के वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर गुरुवार को उपचुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक 34.35 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे और चुनाव अधिकारियों ने पूरी प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखी।

मतदान प्रतिशत में दिनभर लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। सुबह 10 बजे तक 6.06 प्रतिशत, दोपहर 12:30 बजे तक 14.27 प्रतिशत, दोपहर 2 बजे तक 21.66 प्रतिशत और शाम 5 बजे तक 34.35 प्रतिशत मतदान हुआ।

यह उपचुनाव भाजपा के वरिष्ठ विधायक एवं गुजरात के पूर्व मंत्री योगेश पटेल के निधन के बाद कराया गया। इस सीट पर भाजपा ने पूर्व पार्षद एवं जिला अध्यक्ष सतीश पटेल को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने पार्टी के गुजरात उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री भीखाभाई रबारी को मैदान में उतारा है।

निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2,19,494 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 1,11,645 पुरुष, 1,07,847 महिलाएं तथा दो थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदाता सूची में 1,634 दिव्यांग, 85 वर्ष से अधिक आयु के 1,406 तथा 100 वर्ष से अधिक आयु के 12 मतदाता भी हैं। मतदान से पहले 107 मतदाताओं ने घर से मतदान की सुविधा का लाभ उठाया, जिनमें 90 वरिष्ठ नागरिक शामिल थे।

उपचुनाव के लिए 62 स्थानों पर 260 मतदान केंद्र बनाए गए थे। सभी केंद्रों पर रैंप, पेयजल, बिजली और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। दो मतदान केंद्रों का संचालन पूरी तरह महिला कर्मचारियों ने किया, दो केंद्र दिव्यांग कर्मचारियों द्वारा संचालित किए गए, जबकि पांच केंद्रों को मॉडल मतदान केंद्र बनाया गया।

चुनाव आयोग ने सभी 260 मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत लाइव वेबकास्टिंग और सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था की। मतदान केंद्रों के बाहर मोबाइल जमा कराने के काउंटर भी बनाए गए थे। पीठासीन अधिकारियों ने ईसीआईएनईटी ऐप के माध्यम से हर दो घंटे में मतदान प्रतिशत की जानकारी अपडेट की।

दिनभर मतदान शांतिपूर्ण रहा। हालांकि पंचशील विद्यालय स्थित एक मतदान केंद्र के बाहर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच मामूली विवाद हुआ, जिसे पुलिस ने तत्काल नियंत्रित कर लिया। इसके बाद मतदान बिना किसी बाधा के जारी रहा।

गुजरात में भारी बारिश का अलर्ट, 13 जिले हाई अलर्ट पर

अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात में 31 जुलाई से 2 अगस्त के बीच भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन की तैयारियां तेज कर दी हैं। 13 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। संवेदनशील जिलों के अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं, 24 घंटे कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिए गए हैं और एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमों को तैनाती के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

गांधीनगर स्थित स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) में अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) डॉ. जयंती रवि की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में तैयारियों का जायजा लिया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, भावनगर, भरूच, आणंद, नर्मदा, तापी, डांग, छोटा उदेपुर, पंचमहल, दाहोद और महीसागर के जिला कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

हाउस टैक्स में मनमानी पर रोक: अब आरआई-टीआई नहीं घटा-बढ़ा सकेंगे टैक्स, 100 ई-पॉस मशीनों से होगी वसूली तेज

स्वदेश प्रेम

गाजियाबाद। नगर निगम की हाउस टैक्स व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जनहितैषी बनाने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बड़ा निर्णय लिया है। अब रेवेन्यू इंस्पेक्टर (आरआई) और टैक्स इंस्पेक्टर (टीआई) को हाउस टैक्स की राशि कम या ज्यादा करने का अधिकार नहीं होगा। यह बदलाव केवल सक्षम अधिकारी द्वारा नियमानुसार परीक्षण के बाद ही किया जा सकेगा।

नगर आयुक्त ने हाउस टैक्स वसूली की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि करदाताओं की सुविधा और राजस्व वृद्धि दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया जाए। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अनिरुद्ध सिंह को सभी वार्डों में सुबह 7 बजे से विशेष कर शिविर लगाने तथा हाउस टैक्स पर चल रही छूट का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव सहित सभी जोनल प्रभारी और तकनीकी टीम मौजूद रही।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नगर निगम का हाउस टैक्स सॉफ्टवेयर अपडेट किया जाएगा। इसके बाद करदाता घर बैठे अपना वर्तमान और पूर्व में जमा हाउस टैक्स, पूरा लेजर तथा भुगतान का रिकॉर्ड ऑनलाइन देख सकेंगे, जिससे पारदर्शिता और सुविधा दोनों बढ़ेंगी।

हाउस टैक्स वसूली को गति देने के लिए नगर निगम ने ई-पॉस मशीनों की संख्या 30 से बढ़ाकर 100 करने का फैसला किया है। इन मशीनों के माध्यम से सभी वार्डों में मौके पर ही डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध होगी। संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सभी व्यवस्थाएं लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि करदाताओं की समस्याओं के समाधान के लिए अपर नगर आयुक्त, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी और जोनल प्रभारी रोस्टर के अनुसार जोन कार्यालयों में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने पार्षदों के सहयोग की भी सराहना करते हुए कहा कि निगम पारदर्शी, सरल और तकनीक आधारित कर व्यवस्था विकसित करने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

ऑपरेशन प्रहार : इंदिरापुरम पुलिस ने महिला गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार

स्वदेश प्रेम-गाजियाबाद । थाना इंदिरापुरम पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी कार्रवाई करते चेकिंग अभियान करते हुए गांजा तस्करी में लिप्त एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 20 किलो 850 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। महिला की पहचान गीता देवी पत्नी रमन सिन्हा के रूप में हुई है। वह वर्तमान में ब्लॉक फ्रीहोल्ड, संगम विहार, थाना नंदग्राम क्षेत्र में रह रही थी, जबकि उसका स्थायी पता राजस्थान के जोधपुर जिले में है। थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम साहिबाबाद मंडी के सामने नगर निगम पार्क के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर महिला को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से 20 किलो 850 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पूछताछ में महिला ने पुलिस को बताया कि वह लंबे समय से अवैध रूप से गांजा बेचने का काम कर रही थी। गांजा बेचकर प्राप्त होने वाली रकम से वह अपने शौक और मौज-मस्ती के खर्च पूरे करती थी। उसने यह भी स्वीकार किया कि वह यह गांजा बिहार निवासी एक व्यक्ति मुन्ना से खरीदकर लाती थी, जो समय-समय पर उसे नशीले पदार्थ की आपूर्ति करता था। वह बरामद गांजे को बेचने के उद्देश्य से लेकर जा रही थी, लेकिन पुलिस चेकिंग के दौरान पकड़ी गई। महिला पूर्व में भी एनडीपीएस अधिनियम से जुड़े मामलों में जेल जा चुकी है। पुलिस अब गांजा सप्लाई करने वाले मुन्ना के संबंध में जानकारी जुटा रही है। महिला के विरुद्ध थाना इंदिरापुरम में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत पहले से छह मुकदमे दर्ज हैं। उसके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि गाजियाबाद पुलिस ऑपरेशन प्रहार के तहत नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए ऐसी कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी।महिला तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके नेटवर्क के बारे में जांच की जा रही है।

गाज़ियाबाद में गूंजा बाबा भोले का जयकारा, "आजाद परिंदे" सॉन्ग हुआ लॉन्च

स्वदेश प्रेम

गाज़ियाबाद। विजय भारद्वाज प्रोडक्शन के बैनर तले आज होटल एटी रेजीडेंसी, कौशांबी में "आजाद परिंदे - बाबा भोले के साथ" का भव्य सॉन्ग लॉन्च एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कार्यक्रम में बॉलीवुड से जुड़े कलाकार, तकनीकी टीम, सामाजिक क्षेत्र के सम्मानित व्यक्तित्व, विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि तथा विशिष्ट अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर सीबीएसई के Ex संयुक्त सचिव एस. पी. राणा तथा सुपरटेक के उपाध्यक्ष अरविंद सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने पूरी टीम को इस नई संगीत प्रस्तुति के लिए शुभकामनाएँ दीं। विजय भारद्वाज ने बताया कि लगभग दो महीने पहले उन्होंने एक साथ पाँच नए प्रोजेक्ट्स की घोषणा की थी, जिनमें "आजाद परिंदे झ बाबा भोले के साथ", "हम ब्राह्मण हैं", "नारी शक्ति", "फेक लाइफ" तथा

"हम बाहरी नहीं हैं" (पूर्वांचलझ बिहार की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित) शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अगला सॉन्ग "हम ब्राह्मण हैं" का लॉन्च मुंबई में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद विजय भारद्वाज प्रोडक्शन अपनी आगामी वेब सीरीज "जंगल का रहस्य" तथा फीचर फिल्म "अग्निवीर" की शूटिंग शुरू करेगा, जिसके लिए प्रतिभाशाली कलाकारों का चयन किया जाएगा। विजय भारद्वाज पिछले लगभग 20 वर्षों से बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेता, लेखक, निर्देशक और निमार्ता के रूप में सक्रिय हैं तथा उन्होंने अनेक नए कलाकारों को अपनी फिल्मों और संगीत परियोजनाओं के माध्यम से अवसर प्रदान किए हैं। "आजाद परिंदे झ बाबा भोले के साथ" के मुख्य कलाकार विजय भारद्वाज, सुषमा राजपूत एवं संतोष कुमार हैं। इस गीत के डीओपी उमेश रवि हैं, जबकि संपादन अमित आनंद (मुंबई) ने किया है। परियोजना के विधिक सलाहकार रंजीत गिरी एवं विकास शर्मा हैं तथा कार्यक्रम का सफल मंच संचालन मोनिका खुराना ने किया। इस परियोजना के डिजिटल टेक्नोलॉजी पार्टनर ग्लाइडेडमैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड हैं, जबकि डिजिटल म्यूज़िक एवं प्रमोशन पार्टनर म्यूज़िफाई इंडिया ने गीत के संगीत वितरण एवं डिजिटल प्रमोशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम के अंत में विजय भारद्वाज ने सभी मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों, कलाकारों, तकनीकी टीम, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विजय भारद्वाज प्रोडक्शन आने वाले समय में दर्शकों के लिए और भी बेहतर संगीत, वेब सीरीज एवं फिल्म परियोजनाएँ लेकर आएगा।

संकल्प संस्था ने सनराइज के सहयोग से राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में खेल सामग्री का किया नि:शुल्क वितरण

स्वदेश प्रेम

नोएडा। बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं खेलों के प्रति उनकी रुचि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संकल्प संस्था ने सनराइज स्पोर्ट्स इंडिया के सहयोग से राजकीय संप्रेषण गृह (किशोरी),सेक्टर 62 नोएडा में खेल सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर सनराइज डोनेशन ड्राइव प्रोग्राम के अंतर्गत बाल संप्रेषण गृह में रह रही किशोरियों को बैडमिंटन रैकेट एवं शटलकॉक नि:शुल्क वितरित किए गए। खेल सामग्री प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान जिला सम्प्रेक्षण अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं,बल्कि अनुशासन,आत्मविश्वास,टीम भावना और सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रभावी साधन हैं। सनराइज योनेक्स की वरिष्ठ अधिकरी एडवोकेट पायल सिंघल ने कहा कि ऐसे प्रयास बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर संकल्प संस्था के संस्थापक डॉ० भूपेन्द्र नागर,सह-संस्थापक अमित नागर,उपाध्यक्ष संदीप भड़ाना,शोएब कुमार सहित चाइल्ड लाइन के डिस्ट्रिक्ट को-ऑर्डिनेटर अदनान उस्मानी की उपस्थिति रही।

नोएडा की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा सफार्बाद से होगी रवाना, 11 शिवभक्त पैदल खींचेंगे 18 फीट लंबा कांवड़ रथ, हरिद्वार से लाएंगे 101 लीटर गंगाजल

स्वदेश प्रेम-नोएडा । सावन के साथ कांवड़ यात्रा का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। नोएडा की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा इस बार भी सफाबाद से निकलेगी। इसके लिए 18 फीट लंबा, 8 फीट चौड़ा और 12 फीट ऊंचा भव्य कांवड़ रथ तैयार किया गया है। इस रथ को 11 शिवभक्त पैदल हरिद्वार से नोएडा तक खींचकर लाएंगे। रथ को तैयार करने में करीब दो महीने का समय लगा है। इसमें भगवान भोलेनाथ का मंदिर और शिवलिंग स्थापित किया गया है। सभी श्रद्धालु शुक्रवार को हरिद्वार पहुंचेंगे। वहां से 4 अगस्त को गंगाजल लेकर पैदल यात्रा शुरू करेंगे। करीब छह दिन की यात्रा के बाद 10 अगस्त को सफाबाद पहुंचेंगे। इसके अगले दिन 11 अगस्त को प्राचीन शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। इस यात्रा की अगुवाई गजेंद्र यादव कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 15 वर्षों से लगातार कांवड़ ला रहे हैं। इस बार भी पूरी यात्रा सात्विकता, अनुशासन और स्वच्छता के साथ पूरी की जाएगी। गांव के पूरन प्रधान ने बताया कि 11 श्रद्धालुओं का भोजन भी टीम के सदस्य ही स्वयं तैयार करेंगे। पूरी यात्रा के दौरान सभी लोग एक साथ चलेंगे और रथ के साथ गंगाजल भी मिलकर लेकर आएंगे। खाने पीने का सारा सामान अपने साथ ही लेकर चलेंगे। जिसमें साफ-सफाई का विषेश ध्यान रखा जाएगा। पवन यादव ने बताया कि कांवड़ रथ में 101 लीटर गंगाजल रखा जाएगा, जबकि करीब 22 लीटर गंगाजल श्रद्धालु अपने कंधों पर लेकर चलेंगे। यात्रा के दौरान दिन में अधिक दूरी तय की जाएगी, जबकि रात में केवल कुछ समय के लिए ही यात्रा जारी रहेगी। हर साल सफार्बाद की यह कांवड़ यात्रा अपने भव्य स्वरूप के कारण लोगों के आकर्षण का केंद्र रहती है। इस बार भी विशाल रथ और शिवभक्तों की टोली रास्तेभर श्रद्धालुओं के बीच आस्था का संदेश देगी।

बंबावड़ में 26 दिवसीय चतुर्वेद पारायण महायज्ञ का शुभारंभ, सनातन धर्म रक्षा का दिया संदेश

स्वदेश प्रेम-बंबावड़। सनातन धर्म के संरक्षण, वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार और समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के उद्देश्य से बंबावड़ गांव में 26 दिवसीय चतुर्वेद पारायण महायज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। महायज्ञ के पहले दिन श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। महायज्ञ के मीडिया प्रभारी ओमवीर सिंह आर्य एडवोकेट ने बताया कि यह आयोजन सनातन धर्म की रक्षा और वैदिक परंपराओं के पुनर्जागरण के लिए समर्पित है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आचार्य कर्मवीर जी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि समाज को धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की मजबूती के लिए पुनः वेदों की ओर लौटना होगा। उन्होंने वैदिक ज्ञान को जीवन का आधार बताते हुए सभी से उसके अनुसरण का आह्वान किया। महायज्ञ के प्रथम दिवस प्रातःकाल मास्टर ज्ञानेंद्र सिंह आर्य अपने पूरे परिवार के साथ यजमान बने, जबकि सायंकाल वैद्य रामचरण जी के सुपुत्र महेंद्र सिंह आर्य अपनी धर्मपत्नी सहित यजमान के रूप में उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार और हवन की पावन आहुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। महायज्ञ के ब्रह्मा के रूप में रघुराज आचार्य (कानपुर) ने वैदिक विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न कराया।

हिंडन डूब क्षेत्र पर जीडीए का बड़ा प्रहार: 20 हजार वर्गमीटर में फैली अवैध कॉलोनी ध्वस्त, कब्जाया भवन भी कराया मुक्त

स्वदेश प्रेम

गाजियाबाद। अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन जोन-04 के अंतर्गत सिद्धार्थ विहार स्थित हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में विकसित अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान करीब 20 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में की गई अवैध प्लॉटिंग और निमार्णों पर बुलडोजर चलाया गया।

प्राधिकरण के अनुसार कार्रवाई उपाध्यक्ष के निर्देश पर संचालित अभियान के तहत की गई। डूब क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित प्लॉटिंग, बाउंड्री वॉल, बिल्डर कार्यालय और छोटे-छोटे अनधिकृत निमार्णों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। इसके साथ ही बुद्ध विहार, सेक्टर-12, प्रताप विहार स्थित भवन संख्या बी-140, धम्म विजय पर अनधिकृत रूप से किए गए कब्जे को भी हटाकर भवन को प्राधिकरण

के कब्जे में ले लिया गया।

ध्वस्तीकरण के दौरान कॉलोनाइजरों और निर्माणकताओं ने कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन जीडीए के प्रवर्तन दस्ते और प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित रखते हुए अभियान को बिना बाधा पूरा कराया।

कार्रवाई के दौरान प्रभारी प्रवर्तन जोन-04, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल तथा प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि डूब क्षेत्र और अन्य स्थानों पर अवैध निर्माण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। जीडीए ने चेतावनी दी है कि अवैध कॉलोनियों, अतिक्रमण और अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ अभियान आगामी माह में भी लगातार जारी रहेगा। प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी भूखंड या भवन की खरीद से पहले उसकी वैधता की जांच अवश्य करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई या आर्थिक नुकसान से बचा जा सके।

नोएडा में ड्रग्स माफिया पर पुलिस का बड़ा प्रहार

15 लाख की विदेशी ड्रग्स के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार, स्कूल-कॉलेज के छात्रों को बनाते थे निशाना

स्वदेश प्रेम

नोएडा। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी चोट करते हुए थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र से चार अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 15 लाख रुपये कीमत की विदेशी और प्रतिबंधित नशीली सामग्री बरामद की है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी स्कूल, कॉलेज और हॉस्टलों में रहने वाले छात्रों को महंगे दामों पर ड्रग्स सप्लाई कर रहे थे।

थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग की मदद से क्राउन एक्सपो से एक्सपोमार्ट जाने वाले मार्ग पर पुलिया के पास घेराबंदी कर इमरान, दीपक कुमार, शिवम कुमार और बौबी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से 1 किलो 50 ग्राम शिलॉन्ग गांजा, 70 ग्राम Champagne MD,75 ग्राम OG (Original Grower California Weed), 144 MDMA Ecstasy गोलियां, 63 ग्राम लंरँ, एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे विदेशी ड्रग्स को 3 से 4 हजार रुपये प्रति ग्राम की कीमत पर स्कूलों, कॉलेजों और हॉस्टलों में पढ़ने वाले छात्रों तक पहुंचाते थे। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों, सप्लायर और पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

कांवड़ यात्रा को लेकर ग्रेटर नोएडा पुलिस अलर्ट, डीसीपी ने मार्ग और शिविरों का किया निरीक्षण

स्वदेश प्रेम

ग्रेटर नोएडा। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुचारु और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में गुरुवार को पुलिस उपायुक्त (ग्रेटर नोएडा) रवि शंकर निम ने थाना दनकौर क्षेत्र के कांवड़ यात्रा मार्ग और कांवड़ शिविरों (पंडालों) का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो

और सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। डीसीपी रवि शंकर निम ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता, संवेदनशीलता और अनुशासन के साथ अपने दायित्व निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा यात्रा मार्ग पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और श्रद्धामय वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

नोएडा प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई: अवैध फार्महाउस और प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर, 32 हजार वर्गमीटर से अधिक भूमि कराई अतिक्रमण मुक्त

स्वदेश प्रेम

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए गुरुवार को वर्क सर्किल-10 क्षेत्र में व्यापक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। ग्राम कोंडली बांगर के डूब क्षेत्र में बने अवैध फार्महाउसों तथा ग्राम झट्टा में अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। इस अभियान के दौरान करीब सात अवैध फार्महाउस ध्वस्त किए गए और लगभग 10 हजार वर्गमीटर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

इसके अलावा ग्राम झट्टा के खसरा संख्या-456 में दोबारा किए जा रहे अवैध निर्माण और प्लॉटिंग को भी बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण के अनुसार संबंधित भूमि का क्षेत्रफल लगभग

22,670 वर्गमीटर है, जहां पहले भी कार्रवाई की जा चुकी थी, लेकिन दोबारा अवैध कब्जा और निर्माण का प्रयास किया जा रहा था। नोएडा प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण, प्लॉटिंग या अतिक्रमण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में आगे भी लगातार अभियान चलाकर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मनमोहन सिंह के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई समाप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही समाप्त कर दी है। अदालत ने 2015 में जारी समन और निचली अदालत के आदेश को निरस्त करते हुए कहा, सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने का कोई ठोस आधार नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में माना है, डॉ. सिंह के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद नहीं थे। इस फैसले को पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा के लिए महत्वपूर्ण राहत माना जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह अब स्वर्गवासी हो चुके हैं। उनकी मृत्यु के बाद सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उनके किस काम का है। यह कहना मुश्किल है। फिर भी यह कहा जा सकता है कि उनके ऊपर जो दाग लगा था। इस फैसले के बाद वह धूल गया है।

फोन कॉल पर सैकड़ों महिलाओं ने कराया मुंडन, सरकारी योजना के नाम पर पाखंड

सलेम (एजेंसी)। तमिलनाडु में सरकारी योजना का लाभ दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने सैकड़ों महिलाओं से मुंडन करवा दिया। ठगों ने खुद को तहसीलदार बताकर फोन किया। साइबर ठगों ने दावा किया, सरकार मुंडन कराने वाली महिलाओं को 15,000 रुपये, पुरुषों को 6,000 तथा कॉलेज की छात्राओं को 45,000 रुपये की विशेष सहायता राशि दे रही है। योजना का लाभ पाने के लिए पहले मुंडन कराकर फोटो और दस्तावेज भेजने की बात कही गई। सरकारी अधिकारी के नाम पर आए फोन पर विश्वास कर बड़ी संख्या में लोगों ने मुंडन करा लिया। बाद में जब तहसील कार्यालय में योजना की जानकारी ली गई। पता चला कि ऐसी कोई सरकारी योजना अस्तित्व में ही नहीं है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है, किसी भी सरकारी योजना की जानकारी केवल आधिकारिक माध्यमों से सत्यापित करें. ऐसे भ्रामक फोन कॉल से सावधान रहें।

तमिलनाडु के स्कूलों में बच्चों को मिलेगी चिकन बिरयानी, विजय सरकार कर रही विचार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय जल्द ही स्कूली बच्चों को बड़ा तोहफा दे सकते हैं। चर्चा है कि विजय सरकार स्कूली बच्चों को हर हफ्ते चिकन बिरयानी देने की तैयारी कर रही है। इस मामले में एक प्रस्ताव पर समीक्षा की जा रही है और जल्द ही इसे धरातल पर उतारा जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस योजना को लागू करने के लिए तमिलनाडु की स्कूली पोषण योजना में बदलाव किया जाएगा। नए बदलावों में सरकारी स्कूलों के छात्रों को हफ्ते में एक दिन चिकन बिरयानी देने का प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के स्कूली शिक्षा मंत्री राजमोहन ने बीते दिनों यह विचार सीएम विजय के सामने रखा। रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्ताव पर बात करते हुए स्कूली शिक्षा मंत्री राजमोहन ने तमिलनाडु के सियासी इतिहास और बच्चों के लिए पूर्व में मौजूद पोषण कार्यक्रमों का जिक्र किया। राजमोहन ने कहा कि के कामराज ने मिड-डे मील योजना की शुरुआत की, कलाईग्नार करुणानिधि ने इसमें अंडे जोड़े, एमजीआर ने इसे न्यूट्रिशियस मील प्रोग्राम में बदला और जयललिता ने पूरे हफ्ते अंडे बांटने की व्यवस्था की। इसी तरह मेरी भी इच्छा है कि हमारी सरकार के तहत सरकारी स्कूलों में हफ्ते में एक दिन छात्रों को चिकन बिरयानी दी जाए। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि सीएम विजय इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है।

जिस वर्ग को कॉकरोच कहकर अपमानित किया, वे जेन-जी युवा हैं : उद्धव ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जेन-जी और खासकर कॉकरोच की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह आज की नई पीढ़ी को कॉकरोच कहकर खारिज किया जा रहा है, ठीक उसी तरह मुगलों ने भी मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज को चूहा कहा था। उद्धव ने कहा कि यदि युवाओं को कॉकरोच कहा जाएगा, तो उनका नाराज होना स्वाभाविक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में एक कार्यक्रम में पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि लगभग 13 से 28 साल की आयु वाले जिस वर्ग को कॉकरोच कहकर अपमानित किया गया, वे वास्तव में जेन-जी श्रेणी के युवा हैं। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज भी केवल 17 साल के थे जब उन्होंने तोरणा किला जीता था और संत ज्ञानेश्वर ने भी बेहद कम उम्र में ज्ञानेश्वरी की रचना की थी। उद्धव ने आगे कहा कि जिन्हें कॉकरोच कहकर अपमानित किया गया, वे उसी वर्ग से आते हैं जिसे अब हम जनरेशन जी कहते हैं, जिनकी उम्र करीब 13-14 से 27-28 साला के बीच है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि आवाज उठाने और अन्याय के खिलाफ बोलने पर आज के युवाओं को छोटा या कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। बता दें उद्धव ठाकरे का यह बयान ऐसे समय में आया है जब संसद के चल रहे मॉनसून सत्र में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अपने भाषणों के दौरान जेन-जी की शब्द और स्लैंग्स का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। केंद्र सरकार के सुधारों का बचाव करने वाले सत्ता पक्ष के सदस्यों से लेकर नीट विवाद पर सरकार को घेरने वाले विपक्षी सांसदों तक सभी ने सोशल मीडिया पर मशहूर इन शब्दों का बहसों में इस्तेमाल किया है। उद्धव ठाकरे ने लोकसभा सदस्यों की संख्या बढ़ाने से जुड़े प्रस्तावित विधेयक के औचित्य पर सवाल उठाते हुए उद्धव ने आरोप लगाया कि इस विधेयक के समर्थन के लिए सांसदों को अपनी ओर किया जा रहा है। उद्धव का इशारा पिछले महीने शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सदस्यों के एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होने के घटनाक्रम की ओर था। उद्धव ने कहा कि सांसदों की संख्या बढ़ाने के बजाय रोजगार के अवसर बढ़ाइए। उन्होंने सवाल किया कि यदि मौजूदा 550 सांसदों को ही सदन में बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता है, तो 850 सांसदों को बोलने का समय कैसे मिलेगा। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए छात्र आंदोलन और तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने वाले युवाओं की तारीफ की। उद्धव ने कहा कि जब सभी को लगने लगा था कि लोकतंत्र खत्म हो गया है, तब युवाओं ने अपने आंदोलन के जरिये उसमें नई जान डाल दी।

सख्त सजा से ज्यादा जरुरी है पेपर लीक होने की संभावना को खत्म करना

डिंपल यादव सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अनुचित साधनों पर सख्ती बढ़ाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को बुधवार को लोकसभा से ध्वनिमत से पारित करा लिया। विधेयक में पेपर लीक और संगठित परीक्षा घोटालों के लिए कड़ी सजा, भारी जुर्माने, समयबद्ध जांच और फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रावधान किया गया है। हालांकि, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इस कानून को अधूरा बताते हुए कहा कि इसमें पेपर लीक रोकने के मूल उपायों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है।

सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि सरकार का ध्यान मुख्य रूप से पेपर लीक होने के बाद की कार्रवाई पर है, जबकि सबसे जरूरी सवाल यह है कि ऐसी घटनाओं को होने से पहले कैसे रोका जाए। उनके अनुसार, फास्ट ट्रैक कोर्ट, सख्त सजा और भारी जुर्माना आवश्यक हैं, लेकिन परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को दूर किए बिना समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं होगा। रांका ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में व्यापक सुधार किए जाएं, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) को वैधानिक निकाय का दर्जा मिले, परीक्षा कैलेंडर और पाठ्यक्रम में पारदर्शिता लाई जाए तथा परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े वेंडरों और कोचिंग संस्थानों की सख्त निगरानी हो। उन्होंने कहा कि ब्लैकलिस्ट किए गए वेंडरों को दोबारा काम करने से रोकना, डिजिटल और भौतिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना तथा पूरी परीक्षा व्यवस्था को मजबूत करना समय की मांग है।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय शिक्षा और परीक्षा प्रणाली से जुड़े विशेषज्ञों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाए। उनका कहना है कि यह केवल कानून का नहीं, बल्कि देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य का सवाल है। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस और हंगामा भी हुआ। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सरकार की ओर से चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी। संशोधित कानून के तहत प्रश्नपत्र लीक करने या अन्य अनुचित साधनों का उपयोग करने पर न्यूनतम पांच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष तक की सजा तथा 50 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सात वर्ष की कैद और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही सभी जांच दो महीने के भीतर पूरी करने और आरोपपत्र दाखिल होने के तीन महीने के अंदर मुकदमे का निपटारा करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। इस बीच केंद्र सरकार पहले ही परीक्षा सुधारों के लिए इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में छह सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन कर चुकी है। यह समिति परीक्षा प्रणाली में सुधार और भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापक सुझाव तैयार करेगी।

पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज पन्नीरसेल्वम, थाम सकते हैं टीवीके का दामन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के पूर्व सीएम और डीएमके विधायक ओ. पन्नीरसेल्वम नाराज बताए जा रहे हैं। उनकी नाराजगी डीएमके के साथ है। वह पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज हैं। बता दें उन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ने की खबरों का खंडन किया था। सूत्रों का कहना है कि डीएमके में शामिल हुए छह महीने बीत जाने के बाद भी वे और उनके बेटे दोनों को ही पार्टी के भीतर कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीते विधानसभा चुनाव में थेनी सीट से विधायक बनने के बाद पन्नीरसेल्वम को थेनी लोकसभा क्षेत्र में कोई अहम भूमिका या जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है। इसका मुख्य कारण यह माना जा रहा है कि वहां से डीएमके सांसद थंगा तमिल सेल्वन का निर्वाचन क्षेत्र में दबदबा है और वे ही वहां के राजनीतिक मामलों को देख रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्र में अपनी उपेक्षा और अहम पद न मिलने से निराश होकर पन्नीरसेल्वम और उनके बेटे ओपी रवींद्रनाथ अब डीएमके को अलविदा कहने और अभिनेता-नेता विजय की पार्टी टीवीके में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। बता दें तमिलनाडु में चुनावों में अपने इतिहास में पहली बार तीसरे स्थान पर खिसकने और लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद, तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक में भी हाल के दिनों टूट का सिलसिला जारी रहा। बीते महीने चार लोकप्रिय पूर्व मंत्रियों और कई पूर्व विधायकों ने अन्नाद्रमुक का साथ छोड़कर सीएम विजय की सत्ताधारी पार्टी टीवीके का दामन थाम लिया था। टीवीके में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता उडुमलाई के राधाकृष्णन, एम सी संपत, कड़म्बूर सी राजू और एन आर शिवपति शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने पूर्वी तट मार्ग पर स्थित पनायुर उपनगर में टीवीके के मुख्य कार्यालय का दौरा किया। वहां उन्होंने टीवीके के महासचिव आनंद और चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव आधाव अर्जुना से मुलाकात की और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

छात्रों पर गोली चली ही नहीं, तो फायरिंग का आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता

-बीजेपी सांसद पात्रा ने कहा राहुल गांधी तथ्यों के बजाय जनता में भ्रम फैला रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में छात्रों पर फायरिंग और गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों को लेकर बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी तथ्यों के बजाय भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी को कानून और प्रक्रिया की जानकारी नहीं है तो उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं से जानकारी लेनी चाहिए, लेकिन जागते हुए जो सो रहे हैं, उन्हें जगाया नहीं जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने लोकसभा में दावा किया कि छात्र आंदोलन में पुलिस ने गोली चलाई और इसका आदेश गृह मंत्री अमित शाह ने दिया। बीजेपी ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठ और निराधार बताते हुए कहा कि छात्रों पर गोली चली ही नहीं, इसलिए फायरिंग का आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता। संबित पात्रा ने कहा कि किसी भी प्रदर्शन या मार्च के दौरान यदि कानून-व्यवस्था की स्थिति बनती है तो मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट परिस्थितियों के मुताबिक फैसे लेते हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री इस तरह की कार्रवाई का आदेश नहीं देते। ऐसे में अमित शाह पर लगाया गया आरोप जनता को गुमराह करने वाला है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के भाषण में इडियट और अंधभक्त जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताई। पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने छात्रों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटते हुए उनका अपमान किया। उन्होंने कहा कि देश का हर छात्र एक विद्यार्थी है और किसी भी छात्र को इडियट या अंधभक्त कहना स्वीकार नहीं किया जा सकता। लोकसभा में राहुल गांधी की ओर से गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए पात्रा ने कहा कि अमित शाह किसी भी कार्यक्रम में छिपकर नहीं जाते।

उन्होंने दावा किया कि गृह मंत्री के सभी सार्वजनिक कार्यक्रम पहले से घोषित होते हैं और जिस समय राहुल गांधी भाषण दे रहे थे, उस दौरान भी अमित शाह सदन में मौजूद थे। पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने केवल सनसनी फैलाने के लिए उनका नाम लिया। पात्रा ने कहा कि सार्वजनिक परीक्षाओं में गड़बड़ियों को रोकने के लिए सरकार पहले ही 2024 में कानून बना चुकी थी और अब उसे और ज्यादा कठोर बनाने के लिए संशोधन लाया गया है। उन्होंने बताया कि इस विधेयक पर करीब 45 सांसदों ने चर्चा की और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे लोकसभा में पेश किया। पात्रा ने इसके लिए पीएम मोदी का आभार माना।

पंजाब में पेपर लीक मामले में सीजेपी की चुप्पी पर उठा रहे सवाल

बीजेपी, कांग्रेस ने मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को 36 दिनों के छात्र आंदोलन के बाद इस्तीफा देना पड़ा। इस घटना ने पूरे देश में पेपर लीक के मामलों पर सरकारों की जवाबदेही पर नए सिरे से बहस छेड़ दी है। इसी पृष्ठभूमि में, पंजाब में भी पेपर लीक का मुद्दा गर्माया हुआ है, लेकिन भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार फिलहाल पूरे मामले में चुप है। फरीदकोट स्थित बाबा फरीद यूनिवर्सिटी से जुड़ी फार्मेसी ऑफिसर परीक्षा के पेपर लीक और नकल का मामला सामने आने के बाद सूबे की राजनीति में उबाल आ चुका है। कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल सहित सभी प्रमुख विपक्षी दल मान सरकार के खिलाफ लामबंद हैं। विपक्षी दल पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, उनका तर्क है कि जब केंद्र सरकार ने नैतिकता के आधार पर अपने मंत्री का इस्तीफा लिया, तब पंजाब की आप सरकार क्यों अपनी विफलताओं से मुंह मोड़ रही है?

जहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर आरोप लगाया कि बीते साढ़े चार सालों में मान सरकार के कार्यकाल में फार्मेसी भर्ती परीक्षा, 12वीं अंग्रेजी परीक्षा, ग्रुप-बी पेपर, नायब तहसीलदार और कृषि अधिकारी भर्ती परीक्षा सहित कम से कम छह बड़े पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। लेकिन इस पर सीएम मान और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल चुप्पी साधे हुए है। हालांकि, मुख्यमंत्री भगवंत मान इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दावा किया है कि उनकी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। सरकार का तर्क है कि जो मामला सामने आया, वह असल में हाई-टेक नकल गिरोह का था, जिसमें पेन कैमरे और ब्लूटूथ डिवाइस का इस्तेमाल हुआ था, और पुलिस ने तत्परता दिखाकर आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया। विपक्षी दल इस तर्क को सिरे से खारिज कर इस मान सरकार की विफलता छिपाने का प्रयास बता रहे हैं, उनका कहना है कि परीक्षा की पवित्रता का भंग होना सीधे तौर पर व्यवस्था की चूक है।

इस बीच, सबसे बड़ा सवाल कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की चुप्पी पर उठ रहा है, जिसने जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ आक्रामक छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया था। विपक्षी दल, विशेषकर दिल्ली भाजपा सरकार में शिक्षा मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, सीजेपी पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। सिरसा ने सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके को उनके पुराने वादे की याद दिलाकर कहा कि उन्हें पंजाब के युवाओं के लिए भी आवाज उठानी चाहिए। उनका सवाल है कि दिल्ली में हमलावर रहने वाली सीजेपी पंजाब के छात्रों के भविष्य पर खामोश क्यों है?

वहीं, सीजेपी के फाउंडर दीपके ने फिलहाल वेट एंड वाच मोड में रहने की बात कही है। उन्होंने मीडिया से थोड़ा समय देने का आग्रह कर कहा कि उनकी टीम पंजाब के मुद्दे पर रणनीति बना रही है और जल्द ही आगे की योजना का ऐलान होगा। उनका तर्क है कि दिल्ली का आंदोलन हाल ही में खत्म हुआ है, इसलिए उन्हें पूरी तैयारी के साथ नए मुद्दे पर उतरने के लिए समय चाहिए। बहरहाल, पंजाब में पेपर लीक का मुद्दा लगातार गरमा रहा है और मान सरकार पर बढ़ता राजनीतिक दबाव साफ दिख रहा है। विपक्ष की आक्रामकता और छात्र संगठनों के संभावित लामबंदी के बीच, सीजेपी की चुप्पी भी अब सवालों के घेरे में आ गई है, जिससे यह मामला और भी जटिल होता जा रहा है।

घायल के इलाज का आदेश देकर बोला सुप्रीम कोर्ट- असाधारण परिस्थितियों में कर सकते पैलेट गन का इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान घायल हुए लोगों, विशेषकर पैलेट गन के छर्रों से जख्मी हुए प्रदर्शनकारियों के इलाज का निर्देश रेखा गुप्ता सरकार को दिया है। शीर्ष अदालत ने इस दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस वी. मोहाना भी शामिल थे, ने दिल्ली बीजेपी सरकार को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को उचित चिकित्सा सुविधा मिले। यह आदेश 20 जुलाई को पेपर लीक के विरोध में सीजेपी के बैनर तले संसद मार्च के दौरान हुई घटनाओं के संदर्भ में आया है। अदालत ने प्रदर्शन के दौरान तैनात रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) द्वारा हथियारों के उपयोग का रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त यशोवर्धन आजाद और पैलेट से घायल हुए दो अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका पर गौर किया, जिसमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए धातु वाले पैलेट गन के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग हुई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) के परामर्श का हवाला देकर कहा कि असाधारण परिस्थितियों में पुलिस को पैलेट गन के इस्तेमाल का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि वह 20 जुलाई को सीजेपी की अगुवाई में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के उपयोग से संबंधित मामले की सुनवाई के लिए तैयार है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि घटना में दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर पैलेट गन का इस्तेमाल किया, जिससे कई लोग घायल हुए और एक छात्र की आंखों की रोशनी चली जाने का आरोप है। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर जनहित याचिका में सभी घायलों के लिए उचित मुआवजा, समुचित चिकित्सा सुविधा और पुनर्वास की भी मांग की गई है।

नड्डा संग टीएमसी नेताओं ने किया भोजन शत्रुघ्न सिन्हा पर टिकी नजर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक तस्वीर ने इन दिनों नई बहस छेड़ दी है, जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। संसद परिसर में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और सौगत रॉय की मौजूदगी को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दोनों वरिष्ठ टीएमसी नेताओं का नड्डा के साथ बातचीत करना और भोजन करते हुए तस्वीर सामने आना, राजनीतिक अटकलों को तेज़ कर गया है, हालांकि इस मुलाकात के पीछे के वास्तविक कारणों पर अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।दरअसल, संसद के एनेक्सी भवन में बुधवार को क्षय रोग (टीबी) से जुड़े एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें पश्चिम बंगाल के कई सांसद शामिल हुए। इसी दौरान एक ऐसा क्षण कैमरे में कैद हो गया, जब बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और अनुभवी सांसद सौगत रॉय एक ही जगह पर, एक ही मेज पर बैठे नजर आए।

यह तस्वीर सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान शत्रुघ्न सिन्हा ने जेपी नड्डा से काफी देर तक बातचीत की। उसी मेज पर सौगत रॉय भी बैठे हुए थे और भोजन कर रहे थे। हालांकि, इन तीनों नेताओं के बीच आखिर क्या बातचीत हुई, इसकी कोई भी आधिकारिक या अनौपचारिक जानकारी अब तक सामने नहीं आई है, और यही चुप्पी राजनीतिक अटकलों को और भी ज़्यादा गहरा कर रही है। बाद में एक और तस्वीर सामने आई, जिसमें जेपी नड्डा भोजन करते दिख रहे थे जबकि सौगत रॉय उनके सामने खड़े दिखाई दिए। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी कई तरह के दावे किए जाने लगे। कुछ लोग इसे सांसदों के बीच एक सामान्य संसदीय मुलाकात बता रहे हैं, तो वहीं कई राजनीतिक विश्लेषक इसे बदलते राजनीतिक समीकरणों और टीएमसी के भीतर संभावित असंतोष से जोड़कर देख रहे हैं। यह चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी को लेकर पहले से ही कई तरह की बातें चल रही हैं। हाल के दिनों में पार्टी के कई नेताओं और सांसदों ने पाला बदला है, जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी पहले से ही मुश्किल दौर से गुज़र रही है। ऐसे में इस नई तस्वीर ने पार्टी के भविष्य को लेकर नई अटकलों को जन्म दे दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, संसद के मानसून सत्र से पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एनसीपीआई (नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्लियामेंटेरियंस फॉर इंडिया) को सर्वदलीय बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। बाद में एनडीए की बैठक में भी उनके नेताओं की मौजूदगी चर्चा का विषय बनी। इसी बीच अब शत्रुघ्न सिन्हा और सौगत रॉय की जेपी नड्डा के साथ तस्वीर सामने आने से राजनीतिक चर्चाओं को और बल मिल गया है। अब तक न तो टीएमसी, न बीजेपी, न ही शत्रुघ्न सिन्हा या सौगत रॉय की ओर से इस मुलाकात पर कोई आधिकारिक बयान या स्पष्टीकरण जारी किया गया है। यही कारण है कि इस तस्वीर को लेकर केवल कयास ही लगाए जा रहे हैं। क्या यह केवल एक सामान्य संसदीय शिष्टाचार भेंट थी, या इसके पीछे कोई गहरा राजनीतिक संदेश छिपा है, इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है और यह सवाल पश्चिम बंगाल की राजनीति में आने वाले समय में नई हलचल पैदा कर सकता है।

बांकीपुर उपचुनाव के बीच हाई-वोल्टेज ड्रामा, प्रशांत किशोर की एसएचओ को चेतावनी

समर्थकों को अवैध हिरासत में लेने का आरोप, जक्कनपुर थाने में घंटों चला विवाद

पटना (एजेंसी)। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए गुरुवार सुबह मतदान शुरू होते ही राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। जन सुराज के संस्थापक और बांकीपुर से उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने जक्कनपुर थाना प्रभारी (एसएचओ) ऋतुराज कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। इस दौरान थाने में प्रशांत किशोर और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा के दबाव में पुलिस ने उनके दो समर्थकों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिया और बाद में उन्हें कहीं और भेज दिया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस यह बताने में भी असमर्थ है कि दोनों लोगों को कहां रखा गया है। उनका कहना था कि यदि समर्थकों को किसी प्रकार की क्षति पहुंची तो इसकी जिम्मेदारी जक्कनपुर थाना प्रभारी ऋतुराज कुमार सिंह की होगी। मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता पूरी घटना देख रही है और यदि समर्थकों के साथ कोई अनहोनी होती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस बिना रिकॉर्ड और स्पष्ट आदेश के कार्रवाई कर रही है तथा अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं हो रही है।

घटना के बाद प्रशांत किशोर अपने समर्थकों की रिहाई की मांग को लेकर जक्कनपुर थाने में ही डटे रहे। इस दौरान सामने आए वीडियो में वह थाना प्रभारी से लगातार सवाल करते नजर आए। जवाब में एसएचओ ऋतुराज कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध जानकारी दे दी है और उन्हें थाने में बैठकर धमकाया जा रहा है। विवाद के दौरान थाना प्रभारी का एक बयान भी चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने कहा, आप इसलिए धमकी दे रहे हैं क्योंकि हम वर्दी में हैं। अगर वर्दी उतार देंगे तो आपके बराबर में आ जाएंगे। वहीं, जब मीडिया ने हिरासत में लिए गए लोगों के बारे में जानकारी मांगी तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, आप लोग अपनी ड्यूटी कर रहे हैं और हम अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी: आरोपी के सरकारी मकान से मिले मंदिर के कीमती उपहार व नकदी

-एसआईटी बरामद सामान और दस्तावेजों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में गड़बड़ी मामले में जांच तेज हो गई है। एसआईटी को इस मामले में बड़ी सफलता मिली है। टीम ने मुख्य आरोपी और बदरी-केदार मंदिर समिति के पूर्व वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल के बदरीनाथ स्थित सरकारी आवास से मंदिर के कीमती चीजें और भारी मात्रा में नकदी बरामद की है। जांच टीम आरोपी प्रमोद को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर बदरीनाथ पहुंची थी, जहां उसकी निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई। बरामदगी की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है, ताकि जांच में पारदर्शिता बनी रहे।

एसआईटी ने बदरीनाथ स्थित नीलकंठ वीवीआईपी गेस्ट हाउस की पहली मंजिल पर बने आरोपी प्रमोद नौटियाल के सरकारी आवास का ताला खुलवाकर तलाशी ली। जांच में कमरे से मंदिर से जुड़े बेशकीमती उपहार और 500-500 रुपए के नोटों की भारी नकदी बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पूछताछ में कुबूल किया कि वह कुछ सामग्री अपने साथ ले गया था। अब एसआईटी बरामद सामान और दस्तावेजों के आधार पर पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बदरीनाथ में कार्रवाई के साथ ही एसआईटी की दूसरी टीम ने देहरादून के नेहरू कॉलोनी स्थित प्रमोद नौटियाल के निजी आवास पर भी छापेमारी की। यहां से संपत्तियों, बैंक खातों और आर्थिक लेनदेन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या मंदिर के चढ़ावे से जुड़ी रकम को संपत्तियां खरीदने या अन्य निवेशों में इस्तेमाल किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जांच में सामने आया है कि बदरीनाथ मंदिर में 2 जुलाई तक दानपात्रों की 34 बार गिनती की गई, जिसमें करीब 36 करोड़ रुपए की नकदी दर्ज की गई थी। शुरुआती चरण में करीब 23 करोड़ रुपए की गणना पूरी हो चुकी थी। एसआईटी अब 21 जून के बाद की सीसीटीवी फुटेज, दान गिनती प्रक्रिया और निगरानी व्यवस्था की जांच कर रही है1 सवाल यह भी उठ रहा है कि लगातार निगरानी के बावजूद हेराफेरी कैसे होती रही। चढ़ावा प्रबंधन से जुड़े कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सीसीटीवी मॉनिटरिंग कर्मचारी, भंडार प्रभारी, वरिष्ठ सहायक और लेखा लिपिक समेत कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। चमोली पुलिस के मुताबिक आरोपी प्रमोद से मिली जानकारी के आधार पर अन्य संदिग्ध ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव पर सीएम सैनी ने किया पौधारोपण

77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव में किया पौधारोपण, बोले- हर पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की गारंटी

हरियाणा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के अवसर पर करनाल के गांव कुटेल में पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है।

पौधारोपण के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पौधा केवल हरियाली बढ़ाने का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव भी रखता है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते वन क्षेत्र जैसी चुनौतियों का सामना केवल सामूहिक प्रयासों से ही किया जा सकता है। यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण का यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृत्व के सम्मान, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह अभियान लोगों को अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाने और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि यह भावनात्मक जुड़ाव पर्यावरण संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरित हरियाणा के संकल्प को साकार करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। वन क्षेत्र बढ़ाने, जैव विविधता के संरक्षण और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से समय-समय पर विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। वन महोत्सव भी इन्हीं प्रयासों की महत्वपूर्ण कड़ी

है, जिसके माध्यम से समाज के हर वर्ग को प्रकृति संरक्षण से जोड़ा जा रहा है।मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि पौधारोपण को केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना जितना जरूरी है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उनकी नियमित देखभाल करना है। जब तक लगाया गया पौधा एक मजबूत वृक्ष नहीं बन जाता, तब तक उसकी सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी भी हम सभी की है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रकृति संरक्षण, स्वच्छ वातावरण और हरित भविष्य का संदेश दिया गया।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता से यह अभियान और अधिक व्यापक होगा तथा हरियाणा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान और मजबूत करेगा।

संक्षिप्त डायरी

दोस्त की बर्थडे पार्टी से लौट रहे स्टूडेंट की मौत

पानीपत(एजेंसी)। शहर में बीती बुधवार की रात एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय इअ के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्र अपने दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गया था, जहां से लौटते समय उसकी कार अनियंत्रित होकर बाबरपुर मंडी के पास एक गहरे नाले में जा पलटी। कार में मौजूद एक अन्य युवक तो किसी तरह बाहर निकल आया, लेकिन इस हादसे में छात्र की जान चली गई। वहीं, परिजनों ने पूरे घटनाक्रम पर गंभीर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।दोस्त की जन्मदिन पार्टी से लौटते वक्त हादसाजानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान कोमल (22) के रूप में हुई है, जो बीए का छात्र था। परिजनों ने बताया कि कोमल देर रात अपने एक दोस्त की बर्थडे पार्टी में शामिल होने के लिए घर से निकला था।पार्टी खत्म होने के बाद जब वह अपने दोस्त दीपक के साथ कार में लौट रहा था, तभी बाबरपुर मंडी के पास अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वह बेकाबू होकर सड़क किनारे नाले में जा गिरी।हादसे के बाद गाड़ी में सवार उसका दोस्त दीपक किसी तरह मशक्कत करके कार से बाहर निकल आया, लेकिन कोमल गाड़ी के अंदर ही फंसा रह गया। जब घटना की सूचना पर गाड़ी को नाले से बाहर निकाला गया, तो कोमल ड्राइविंग सीट पर मृत अवस्था में मिला। परिजनों ने इस पर बड़ा सवाल खड़ा करते हुए कहा कि कोमल को गाड़ी चलाना ही नहीं आता था, तो वह ड्राइविंग सीट पर कैसे मिला। परिजनों का आरोप है कि मामले में कुछ तो गड़बड़ है और यह महज एक हादसा नहीं हो सकता।पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया शवघटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने राहत और बचाव कार्य चलाते हुए कार और छात्र के शव को नाले से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल के शवगृह में भिजवा दिया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों (क्या यह सिर्फ दुर्घटना है या कोई अन्य वजह) का स्पष्ट खुलासा हो पाएगा। वहीं, पुलिस दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी में मौजूद उसके साथी दीपक से भी पूछताछ कर रही है।

हिसार में नशे के लिए गिरवी रखा बहन का मंगलसूत्र

हिसार (एजेंसी)। एचएयू पुलिस चौकी ने बहन के घर से मंगलसूत्र चुराकर उसे फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखने के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भाई और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है।पकड़े गए आरोपियों की पहचान नमन (निवासी उधपुरिया मोहल्ला) और राहुल (निवासी खारिया डोभी) के रूप में हुई है। प्रेम नगर निवासी पीड़िता के अनुसार, उसका भाई नमन नशे का आदी है। वह अपने साथी राहुल के साथ आया और बहन को किसी बहाने से उसकी मां के घर छोड़ आया।बहन को बाहर भेजने के बाद दोनों आरोपी पीड़िता के किराए के मकान पर पहुंचे और अलमारी का ताला तोड़कर मंगलसूत्र चोरी कर लिया। जब महिला ने अलमारी देखी तो मंगलसूत्र गायब था। शक होने पर महिला ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सौंपी, जिसके आधार पर एचएयू पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के तहत केस दर्ज किया।पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपियों ने चोरी का मंगलसूत्र मणप्पुरम फाइनेंस कंपनी में ₹50,000 में गिरवी रख दिया था। पुलिस ने भाई नमन से ₹26,600 नकद और 1 मोबाइल फोन और राहुल से ₹5,000 नकद, 1 मोबाइल फोन और फाइनेंस कंपनी के दस्तावेज बरामद हुए हैं। इनके पास से ₹31,600 कैश, 2 मोबाइल और गिरवी रखने की रसीद बरामद हुई है।अपराधी चाहे कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा एसपी सिद्धांत जैन (IPS) ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फाइनेंस कंपनी से मंगलसूत्र रिकवर करने की कानूनी प्रक्रिया जारी है। एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

झपकी लगने से ट्रक में घुसी कार,बिजनेसमैन भाइयों की मौत

रोहतक (एजेंसी)। नेशनल हाईवे पर एक ट्रक में कार घुसने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। गाड़ी चला रहे ड्राइवर की भी हादसे में मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।हादसा आज वीरवार को सुबह करीब साढ़े पांच बजे खैड़की मोड़ के पास हुआ। ड्राइवर की आंख लगने से टाटा पंच गाड़ी आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों भाइयों का राजस्थान के नीमकाथाना में क्रैशर का काम था।उधर, सूचना पाकर कलानौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए डेड हाउस भेज दिया।हादसे में मृतक भाइयों की पहचान मोहल्ला फ्रांसखाना निवासी मनीष कुमार जैन और मनोज जैन के रूप में हुई। दोनों क्रेशर संचालक थे। उनका क्रेशर प्रदेश की सीमा के साथ लगते राजस्थान के नीमकाथाना क्षेत्र में लगा हुआ है। नेशनल हाइवे 152ऊपर गांव खैड़की के पास से टाटा पंच गाड़ी अंबाला की तरफ से आई थी, जो नारनौल की तरफ जा रही थी। सुबह करीब 5 बजे पंच ने आगे चल रहे ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी, जिसके कारण गाड़ी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। मृतक मनोज जैन व मनीष जैन दो-दो बच्चों के पिता हैं। मनोज कुमार की उम्र करीब 45 वर्ष है, जबकि मनीष कुमार की उम्र करीब 50 साल है।

यमुनानगर में गैस एजेंसी कर्मचारी बनकर घर में घुसा ठग

हरियाणा (एजेंसी)। यमुनानगर के सेक्टर-17 हुडा में एक शातिर ठग गैस एजेंसी का कर्मचारी बनकर बुजुर्ग दंपती के घर में घुस गया। आरोपी ने खुद को गैस एजेंसी से आया बताकर घर में प्रवेश किया और बुजुर्ग महिला को झांसे में लेकर कहा कि वह उनके लकवाग्रस्त पति को ठीक कर सकता है। उसने सोने के जेवर गर्म पानी में डालकर पिलाने की बात कही।इसी बहाने महिला से दो तोले की सोने की चेन और सोने की नथ ले ली। आरोप है कि उसने बुजुर्ग को कोई नशीला पदार्थ भी खिला दिया, जिससे वह बेहोश हो गए। हालांकि आरोपी जेवर लेकर भागने लगा, तो महिला ने साहस दिखाते हुए गेट पर ही उससे जेवरों का पॉलीथिन छीन लिया, जिसके बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने एक्टिवा कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पति को बेहोश देख महिला को हुआ शक सेक्टर-17 थाना पुलिस पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-17 हुडा निवासी दर्शनी देवी ने बताया कि वह अपने पति पूर्ण चंद के साथ मकान में रहती हैं। उनके तीन बेटे अलग-अलग स्थानों पर रहते हैं। बुधवार को दोपहर करीब 12 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने घर की डोरबेल बजाई। गेट खोलने पर उसने खुद को गैस एजेंसी का कर्मचारी बताया। भरोसा होने पर उन्होंने उसे घर के अंदर बुला लिया, जहां वह उनके पति के पास बेडरूम में बैठ गया। आरोपी ने बातचीत के दौरान उनके पति की हालत देखकर पूछा कि उन्हें क्या हुआ है। दर्शनी देवी ने बताया कि उनके पति को अधरंग (लकवा) है। इस पर आरोपी ने कहा कि वह उन्हें ठीक कर देगा, लेकिन इसके लिए सोने को गर्म पानी में डालकर वह पानी पिलाना पड़ेगा।आरोपी की बातों में आकर महिला ने अलमारी से करीब दो तोले की सोने की चेन और सोने की नथ निकालकर उसे दे दी। इसके बाद वह चाय और गर्म पानी तैयार करने रसोई में चली गई। महिला ने बताया कि रसोई से लौटकर देखा तो आरोपी के हाथ में उनके सभी सोने के जेवरों वाला पॉलीथिन था। वहीं उनके पति बेहोशी की हालत में पड़े थे। यह देखकर उन्हें शक हुआ।आरोपी तुरंत घर से भागने लगा। दर्शनी देवी ने बताया कि वह भी उसके पीछे दौड़ीं और गेट पर पहुंच कर उसके हाथ से जेवरों वाला पॉलीथिन छीन लिया। उसी समय गली में काम कर रहे मजदूरों को देखकर आरोपी घबरा गया और अपनी यूपी नंबर एक्टिवा मौके पर ही छोड़कर पैदल फरार हो गया। सूचना मिलने पर डायल-112 और सेक्टर-17 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल पूर्ण चंद को इलाज के लिए गाबा अस्पताल पहुंचाया।

सोनीपत में कंगना रनोट और प्रहलाद जोशी का फूंका पुतला

सोनीपत (एजेंसी)। सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रानौत के हालिया बयान और शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी को लेकर लगाए गए आरोपों के विरोध में गुरुवार को सोनीपत में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कार्यालय के बाहर एकत्रित हुई महिला कांग्रेस नेत्रियों और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कंगना रानौत और शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी के पुतले दहन किए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं के खिलाफ विरोध जताया और कंगना रानौत से छात्राओं तथा महिलाओं पर की गई कथित टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की।इस दौरान महिला कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए छात्र आंदोलनों, महिलाओं की सुरक्षा और महिलाओं के सम्मान जैसे मुद्दों को उठाया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहीं महिला कांग्रेस नेत्री नीलम बाल्यान ने आरोप लगाया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे लाखों छात्रों पर लाठीचार्ज कराया गया और प्रदर्शन के दौरान छात्राओं के साथ पुलिस द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम से देशभर की महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं में रोष है और इसी के विरोध में सोनीपत में प्रदर्शन किया गया।बिलकिस बानो मामले का किया जिक्रनीलम बाल्यान ने अपने संबोधन में वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के दौरान हुए बिलकिस बानो मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2022 में दोषियों की रिहाई के मामले में भाजपा नेताओं का रवैया महिलाओं के सम्मान के खिलाफ था।इसी संदर्भ में उन्होंने शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी पर गंभीर राजनीतिक आरोप लगाए और कहा कि ऐसे व्यक्ति को शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि देश की बेटियों और छात्रों के हितों की रक्षा ऐसे लोगों से संभव नहीं है।महिला कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कंगना रानौत ने पहले भी कई राजनीतिक नेताओं और विपक्ष के नेताओं को लेकर विवादित बयान दिए हैं। उनका आरोप था कि हाल ही में कंगना रनोट ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही छात्राओं और बेटियों के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया है।नीलम बाल्यान ने कहा कि देश की महिलाओं और छात्राओं का अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता और कंगना रनोट को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।प्रदर्शन में शामिल पायल मलिक ने कहा कि कंगना रानौत स्वयं एक महिला हैं, इसलिए उन्हें महिलाओं के सम्मान का महत्व समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी महिला या छात्रा के बारे में इस प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं है। पायल मलिक ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ, उस पर भाजपा नेताओं ने चुप्पी साधे रखी। उन्होंने यह भी कहा कि कंगना रानौत लगातार राजनीतिक विरोधियों और छात्रों को लेकर विवादित बयान देती रहती हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं।पुतला दहन कर जताया विरोध प्रदर्शन के अंत में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कंगना रानौत और शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी के पुतले फूंके और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सोनीपत में दिनदहाड़े महिला दुकानदार पर हमला

सोनीपत (एजेंसी)। शहर के गोहाना रोड स्थित एक कॉलोनी में कॉस्मेटिक की दुकान चलाने वाली एक महिला पर कथित रूप से पूर्व रंजिश के चलते दिनदहाड़े हथियारबंद हमला किए जाने का मामला सामने आया है। महिला ने आरोप लगाया है कि तीन आरोपी उसकी दुकान में जबरन घुस आए और हथियारों के बल पर उसे दुकान से उठाकर ले जाने की कोशिश की।विरोध करने पर आरोपियों ने लोहे की रॉड, सुए और बिट्टे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। महिला का आरोप है कि आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़कर उसकी गरिमा भंग की, सोने की चेन और अंगूठी लूट ली तथा जान से मारने की नीयत से हमला किया। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल महिला को पहले सिविल अस्पताल और फिर पीजीआई खानपुर रेफर किया गया। चिकित्सकों द्वारा बयान देने के लिए फिट घोषित किए जाने के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पीड़ित पक्ष का दावा है कि पूरा विवाद करीब तीन वर्ष पुरानी पारिवारिक रंजिश से जुड़ा हुआ है।सोनीपत की एक कॉलानी में रहने वाली महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गोहाना रोड पर कॉस्मेटिक की दुकान चलाकर परिवार का पालन-पोषण करती हैं। शिकायत के अनुसार 26 जुलाई 2026 की शाम करीब 5:30 बजे गढ़ शहजानपुर निवासी संजीव, पूजा और मंजू कथित रूप से लोहे की रॉड, नुकीला सुआ और बिट्टा लेकर उनकी दुकान में जबरन घुस आए।

गुरुग्राम में पायलट से ₹40 लाख की ड्रग्स पकड़ी

हरियाणा (एजेंसी)। प्राइवेट एयरलाइन का पायलट ड्रग्स की बड़ी खेप के साथ पकड़ा गया। वो अपनी लग्जरी कार में ड्रग्स को नोएडा से छिपाकर लाया था। ड्रग्स की मात्रा 814 ग्राम है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 40 लाख रुपए के करीब आंकी जा रही है।

आरोपी के पास एयर पायलट लाइसेंस है और वह पहले एक प्राइवेट एयरलाइन में पायलट के तौर पर काम करता था, लेकिन अभी वह प्राइवेट फर्म में चार्टर्ड प्लेन उड़ाता है।

क्राइम ब्रांच ने बताया कि उन्हें काफी दिनों से इसको लेकर जानकारी मिल रही थी। जिसके बाद आज सुबह 10 बजे सेक्टर-103 के पास नाकाबंदी कर एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया।

केरल का रहने वाला है आरोपीः पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान केरल निवासी अरशद अली (32) उर्फ अज्जू के रूप में की है। वह वर्तमान में गुरुग्राम के दौलताबाद स्थित लैंडमार्क सोसायटी में रह रहा था।

प्राइवेट एयरलाइंस में था पायलटः जांच में सामने आया कि अरशद एक नामी प्राइवेट एयरलाइंस में बतौर पायलट काम करता था। वो वीआईपी चार्टर्ड प्लेन उड़ाता है। पुलिस के अनुसार, वह नौकरी की आड़ में लंबे समय से ड्रग्स तस्करी में शामिल था।

814 ग्राम MDMA के साथ गिरफ्तारीः क्राइम ब्रांच सेक्टर-39 को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक कार में भारी मात्रा में ड्रग्स लेकर गुरुग्राम पहुंचने वाला है। इसके बाद सेक्टर-103 के पास नाकाबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके पास से 814 ग्राम कमर्शियल मात्रा में MDMA बरामद हुई।

नशे की लत से बना तस्करः पुलिस पूछताछ में अरशद ने बताया कि शुरूआत में वह खुद ड्रग्स का सेवन करता था। धीरे-धीरे नशे की लत बढ़ने के कारण पैसों की जरूरत हुई और इसी वजह से वह ड्रग्स तस्करी में उतर गया। रिमांड पर लेकर होगी पूछताछः एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ राजेंद्र पार्क थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। कमर्शियल मात्रा में MDMAबरामद होने के कारण आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि पूरे ड्रग सिंडिकेट का खुलासा किया जा सके।

एमडीएमए (MDMA) एक कृत्रिम नशीला पदार्थ है, जिसे एक्सटेसी या मॉली भी कहा जाता है। यह दिमाग और तंत्रिका तंत्र पर असर डालता है। एक्सपर्ट का कहना है कि इसे लेने से कुछ समय के लिए बहुत ज्यादा खुशी, ऊर्जा और लोगों के साथ अपनापन महसूस हो सकता है। इसकी लत लगने से स्वास्थ्य पर गंभीर असर भी पड़ सकता है।

नेटवर्क खंगाल रही पुलिस एसीपी नवीन शर्मा ने बताया कि मामले में अरशद के नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। उस सिंडिकेट की तलाश की जा रही है, जो उसे नोएडा से ड्रग्स की खेप उपलब्ध कराता था। पुलिस की टीमें नोएडा और दिल्ली एनसीआर के कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। जांच का मुख्य फोकस यह पता लगाना है कि अरशद यह ड्रग्स गुरुग्राम के किन-किन से लेता था। पुलिस को आशंका है कि इस रैकेट के तार अन्य राज्यों और एयरलाइन क्षेत्र से जुड़े कुछ अन्य लोगों से भी जुड़े हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

होम लोन और कैश क्रेडिट के नाम पर नैनीताल बैंक के 1.56 करोड़ रुपये हड़पे

लखनऊ , एजेंसी। गोमतीनगर स्थित नैनीताल बैंक की पत्रकारपुरम शाखा के प्रशासनिक अधिकारी जोहेब अहमद खान ने 34 लोगों पर 1.56 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। डीसीपी पूर्वी के आदेश पर सोमवार को एफआईआर दर्ज की गई।जोहेब अहमद खान के अनुसार, बैंक ने 20 जनवरी से 3 मई 2025 के बीच नौ लोगों को 1.56 करोड़ रुपये के होम लोन और कैश क्रेडिट दिए। पांच जुलाई 2025 को शिकायत मिलने पर बैंक की लीगल टीम ने जांच की। जांच में गंभीर अनियमितताएं मिलीं। लोन लेने वालों ने फर्जी संपत्ति दस्तावेज, गलत पते और फर्जी गवाहों का उपयोग किया। गबन में लोन लेने वाले नौ लोगों के साथ 25 अन्य भी शामिल थे, जिनमें गवाह और बैंक के मूल्यांकक थे। सभी नौ लोन खाते एनपीए घोषित हो चुके हैं। आंतरिक जांच के बाद उन्होंने पुलिस उपायुक्त पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा से शिकायत की।इंस्पेक्टर गोमतीनगर ब्रजेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला सही पाया गया है। प्रशासनिक अधिकारी की तहरीर पर अतुल प्रकाश, राकेश कुमार, इंदु शर्मा, विजय कुमार, महक फातिमा, सोनू शुक्ला, महफूज, लोकेश कुमार शुक्ला, अर्चना शुक्ला, शिवा वर्मा, भारती अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, कल्पना सिंह, कृष्णा देवी, संगीता, बाबूराम, सुमन मेहरोत्रा, संजय कुमार, विनोद कुमार, कमलेश वर्मा, अमित, विजय कुमार, अनिल, देवल कुमार रस्तोगी, अर्पित श्रीवास्तव, प्रियांशु दुबे, विनोद कुमार, महफूज, सोनू शुक्ला, विवेक कुमार, आशीष कुमार, आशीष सिंह, नरेंद्र सिंह और सत्येंद्र कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की विवेचना दरोगा मृत्युंजय नाथ शर्मा कर रहे हैं। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों का मूल्यांकन शुरू, राज्यपाल करेंगी सम्मानित

गोरखपुर , एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 45वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत गोद लिए गए गांवों के आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रतियोगिता का आयोजन शुरू हो गया है। मंगलवार को खोराबार ब्लॉक के लहसड़ी-एक और हक्काबाद आंगनबाड़ी केंद्रों का मूल्यांकन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच आंगनबाड़ी केंद्रों को दीक्षांत समारोह में राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल सम्मानित करेंगी। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों की व्यक्तिगत स्वच्छता, आंगनबाड़ी केंद्र की साफ-सफाई, पोषण व स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं, शिक्षण-अधिगम गतिविधियां और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के समर्पण और नवाचार का विशेषज्ञों ने आकलन किया। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र देश के भावी नागरिकों के निर्माण की मजबूत नींव हैं। कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, कुपोषण उन्मूलन और सामाजिक जागरूकता के भी प्रभावी केंद्र हैं। महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. दिव्या रानी सिंह ने कहा कि मूल्यांकन बच्चों की स्वच्छता, केंद्र की स्वच्छता और कार्यकर्ताओं के समर्पण आदि श्रेणियों में किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिनव मिश्रा, सीडीपीओ सौरभ तिवारी, यूनिसेफ समन्वयक सुरेश तिवारी सहित महिला अध्ययन केंद्र की टीम, शोधार्थियों एवं गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं ने माताओं और बच्चों को स्वच्छता, संतुलित पोषण, हाथ धोने की सही विधि तथा एनीमिया से बचाव के प्रति जागरूक किया।

पेट और सीने पर चाकू से वार कर दोस्त की हत्या, लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

वाराणसी, एजेंसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के बजरडीहा वीडीए कॉलोनी में सोमवार देर रात दीपांशु राय उर्फ लक्की (26) की चाकू से वार कर हत्या कर दी गई। दीपांशु के पेट और सीने पर पांच बार वार किया गया। लिव-इन-पार्टनर कुश पांडेय को भेलूपुर पुलिस ने घटनास्थल से मंगलवार सुबह गिरफ्तार किया। नशे में धुत दोनों के बीच खाना पकाने और बर्तन धुलने को लेकर विवाद हुआ और सब्जी काटने वाले चाकू से कुश पांडेय ने दिपांशु की हत्या कर दी। फॉरेंसिक टीम, भेलूपुर एसीपी गौरव कुमार ने छानबीन की। वीडीए कॉलोनी के फ्लैट में दिपांशु राय और सोनारपुरा निवासी कुश पांडेय एक साल से लिव-इन पार्टनर के रूप में रहते थे। कुश साड़ी और लहंगा पहनकर रहता था। दोनों के बीच अक्सर शराब के नशे में झगड़े होते थे। सोमवार रात 10.30 बजे दोनों हरिश्चंद्र घाट से शराब का सेवन कर घर लौटे। इस बीच दिपांशु और कुश के बीच खाना पकाने और बर्तन धुलने को लेकर विवाद हो गया। तभी किचन के पास कुश ने सब्जी काटने वाले चाकू से दीपांशु पर हमला कर दिया। दीपांशु के लहूलुहान होने पर कुश ने खून रोकने के लिए हल्दी लगाने का प्रयास भी किया। घटना के बाद आरोपी कुश ने पहले 108 और फिर 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी।सहायक पुलिस आयुक्त भेलूपुर गौरव कुमार ने बताया कि दीपांशु राय वीडीए कॉलोनी में अपने घर में रहता था, जिसे उसके पिता शिबू सिंह ने खरीदा था। दीपांशु शराब का आदी था। दो साल पहले घाट पर उसकी मुलाकात सोनारपुरा निवासी कुश पांडेय से हुई थी।

आगरा में बारिश ने बढ़ाई मुसीबत

सड़कें बनीं तालाब, डूब गए वाहन, जलमग्न हुआ बाजार

आगरा। पखवाड़े भर बाद हुई मानसून की बारिश में शहर की सड़कें और गलियां पानी में डूब गईं। बारिश की इस परीक्षा में नगर निगम फेल हो गया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव वर्मा के नाला सफाई के दावे जलभराव में डूब गए। दोपहर में हुई बारिश के कारण लोग जलभराव से शाम तक जूझते रहे। हाईवे हो या लोहामंडी की सकरी गलियां, सभी जगह पानी भर जाने से लोगों की आवाजाही प्रभावित रही और इस वजह से खेरिया मोड़, शमशाबाद रोड, हाईवे, कैलाशपुरी, बिजलीघर, न्यू आगरा, कमला नगर, बल्केश्वर, ट्रांस यमुना समेत क्षेत्रों में पानी भरने से वाहन बंद हो गए।

मंगलवार दोपहर में हुई चंद मिनटों की बारिश भी शहर का ड्रेनेज नेटवर्क नहीं झेल पाया। नालों की कागजी सफाई का सच एक बार फिर सामने आ गया। नालों के चोक होने के कारण जगह-जगह जलभराव से लोगों को जूझना पड़ा। दरअसल, रामबाग से रूनकता तक और ग्वालियर रोड से दयालबाग और फतेहाबाद रोड तक कई जगह जलभराव हो जाने से दो पहिया और चार पहिया वाहन फंस गए। साइलेंसर में पानी भर जाने से वाहन बंद हो गए तो लोगों को धक्का लगाकर इन्हें ले जाना पड़ा। ऑटो की सवारियों ने कई जगह धक्का लगाकर उसे बाहर निकाला तो स्कूली बच्चे छुट्टी के समय सड़कों पर भरे नालों के गंदे पानी से होकर निकले।

काजीपाड़ा में ऊंची की पाइपलाइन, फिर भी जलभराव : काजीपाड़ा रेलवे पुल के नीचे पानी की लाइन नाले के अंदर से निकलने के कारण जलभराव की शिकायत थी। नगर निगम ने इस लाइन को दोनों ओर से ऊंचा करा दिया, जिससे कचरा न फंसे और पानी का बहाव बना रहे, लेकिन बारिश में ऐसा हुआ नहीं। काजीपाड़ा और बिजलीघर रेलवे पुल के नीचे जलभराव हो गया, जहां ऑटो और दो पहिया वाहन फंस गए।

जलभराव से निपटने की दिशा न दिखा सके सांसद : फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर पूरे जिले के विकास के लिए बनी जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) के अध्यक्ष हैं, लेकिन उनके खेरिया मोड़ स्थित अजीत नगर गेट के सामने एक वर्ग किमी. हिस्से में पानी भरा रहा। खेरिया मोड़ पर उनके घर के सामने से लेकर ईदगाह रेलवे पुल तक और धनौली रोड के साथ अर्जुन नगर तक पानी भरा रहा। यहां तीन साल से पानी निकालने की करोड़ों रुपये की नाला निर्माण की योजनाएं बनीं, लेकिन कारगर साबित नहीं हो पाईं। एयरफोर्स स्टेशन गेट और चौराहे पर नगर निगम ने पंप लगाकर पानी निकलवाया।

पंप लगाकर निकलवाया पानी : मंगलवार को जलभराव होने पर नगर निगम ने पानी निकालने के लिए खेरिया मोड़, शमशाबाद रोड, कौशलपुर, लखनपुर चौराहा, शास्त्रीपुरम, यूपीएसआईडीसी, प्रकाश नगर, नगला छऊआ, शाहगंज, नरीपुरा आदि क्षेत्रों में पंप लगाए गए। कई जगह सीवर जेट मशीन लगाई गईं। अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार ने बताया कि टेढ़ी बगिया, शास्त्रीपुरम में नाला निर्माण और कौशलपुर में मेट्रो निर्माण होने के कारण पानी भरा। पुरानी मंडी मेट्रो स्टेशन के पास पानी निकालने के लिए सीवर जेट मशीन लगाई गई।

ये बोले पार्षद : पार्षद रवि माथुर ने बताया कि नगर स्वास्थ्य अधिकारी के दावे बारिश में हुए जलभराव के बाद सभी के सामने हैं। उन्हें नगर निगम से हटाकर वापस उनके मूल विभाग में भेजा जाए। जिन नालों की तलीझाड़ सफाई बताई गई थी, उन्हीं जगहों पर जबरदस्त पानी भरा है।

बिना सूचना बंद हुआ वाटरवर्क्स, बूंद-बूंद पानी को तरसा आधा आगरा; शटडाउन ने बढ़ाई मुसीबत

आगरा, एजेंसी। आगरा के सिकंदरा वाटरवर्क्स पर बिना बताए शटडाउन ले लिया गया। इससे गंगा और यमुना जल का 144 एमएलडी एमबीबीआर प्लांट ठप हो गए। दोपहर एक से शाम 6 बजे तक पेड़ों की छंटाई और जंगल से निकल रहे 44 खंभों की मरम्मत के लिए डीवीवीएनएल ने शटडाउन लिया था, जिस वजह से शोधन प्लांट न चल पाने से मंगलवार शाम की जलापूर्ति नहीं हो सकी। आधा शहर प्रभावित रहा और लोग जलापूर्ति के समय बार-बार नल खोलकर इंतजार करते रहे।

सिकंदरा, बोदला, शाहगंज, लोहामंडी, केदार नगर, लॉयर्स कॉलोनी, संजय प्लेस, हलवाई की बगीची, पचकुईयां, गोकुलपुरा, राजा की मंडी, जगदीशपुरा, किशोरपुरा, आवास विकास कॉलोनी, शास्त्रीपुरम, पश्चिमपुरी, रामनगर पुलिया, बालाजीपुरम, अवधपुरी, बिचपुरी रोड, सुभाष नगर, श्याम नगर, सिकंदरा-बोदला रोड की कॉलोनियों, प्रकाश नगर, शाहगंज चारबाग, साकेत कॉलोनी, बाड़ा चरन सिंह, मंसा देवी गली, मदिया कटरा, जयपुर हाउस, गोविंद नगर, नगला छऊआ, खेरिया मोड़, अर्जुन नगर, एयरफोर्स स्टेशन, नाई की मंडी आदि क्षेत्रों में जलापूर्ति नहीं हो पाई।

खेरिया मोड़, अर्जुन नगर निवासी राजकुमार नागरथ ने बताया कि बिना सूचना के जलापूर्ति कभी भी रोक दी जा रही है। पहले से सूचना देंगे तो अपनी जरूरत का पानी भर लेते लेकिन जलकल विभाग लगातार ऐसे ही कर रहा है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। राजनगर के पार्षद बंटी माहौर ने बताया कि महीने में आठ से दस दिन जलापूर्ति नहीं हो रही है। जलकल महाप्रबंधक इस पर ध्यान दें अन्यथा लोग कार्यालय पर जाकर धरना देंगे। जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम ने मंगलवार दोपहर एक से शाम 6 बजे तक शटडाउन लिया था, जिस वजह से पानी का शोधन नहीं हो सका।

सपा सांसद अफजाल अंसारी समेत तीन पर एफआईआर, सियासी गलियारों में मची खलबली

वाराणसी, एजेंसी। गाजीपुर में लाइसेंस पर क्रय विक्रय किए गए रायफल की पत्रावली गायब कराने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को सपा सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ तीसरी बार प्राथमिकी दर्ज की गई। साथ ही तत्कालीन शस्त्र लिपिक गौरीशंकर लाल और सुग्रीव तिवारी के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। लगातार हो रही कार्रवाई से सियासी गलियारों में खलबली मची हुई है।

एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया कि मुख्तार अंसारी (वर्तमान में मृत) एवं परिजनों को निर्गत शस्त्रों की वर्तमान स्थिति, आईएस 191 गैंग के सदस्यों एवं सहयोगियों द्वारा लिए गए 51 शस्त्र लाइसेंसों पर क्रय विक्रय किए गए 145 विभिन्न शस्त्रों के भौतिक सत्यापन एवं जांच में तथ्य खुलकर सामने आ रहे हैं।

जांच में तथ्य प्रकाश में आया कि अफजाल अंसारी के शस्त्र लाइसेंस संख्या 1188/पी 11 संबंधित शस्त्र लाइसेंस पत्रावली व क्रय विक्रय संबंधी पत्रावली संबंधित शस्त्र लिपिकों के साथ मिलीभगत करते हुए अभिलेखागार से गायब करा दिया गया है।

एसपी ने बताया कि जांच में पता चला कि दशकों पूर्व अरुणाचल प्रदेश राज्य के अलोंग जिले में एनपीबी राइफल संख्या पर लिए गए रायफल संख्या 44667 का क्रय विक्रय होना मिला। इसकी अपेक्षित पत्रावली व उक्त शस्त्र की वर्तमान स्थिति का पता नहीं होने से भौतिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है। एसपी ने बताया कि शस्त्र लाइसेंसी अफजाल अंसारी, तत्कालीन शस्त्र लिपिक गौरीशंकर लाल और शस्त्र लिपिक सुग्रीव तिवारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवश्यक विधिक कार्रवाई चल रही है।

शस्त्र लाइसेंस पर विभिन्न प्रांतों से क्रय- विक्रय की गई हथियारों से संबंधित पत्रावलियों के गायब होने के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई करने में जुटी हुई है। बीते 22 जुलाई को पहली प्राथमिकी सपा सांसद अफजाल अंसारी सहित तीन के खिलाफ दर्ज हुई थी। ठीक, दूसरे दिन 23 जुलाई को मुख्तार की पत्नी आफ्शा अंसारी सहित तीन पर प्राथमिकी दर्ज हुई। इसके बाद 24 जुलाई को मुख्तार गैंग के सक्रिय सदस्य मोहम्म शाहिद सहित तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई थी।

ऑपरेशन 'साइबर कवच' की बड़ी सफलता: इटियाथोक पुलिस ने ठगी के 40,589 रुपये लौटाए

स्वदेश प्रेम, रमजान अली गोण्डा

जनपद में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन साइबर कवच' अभियान के तहत थाना इटियाथोक पुलिस को एक उल्लेखनीय सफलता मिली है। साइबर हेल्पडेस्क एवं जनपदीय साइबर सेल की सक्रिय कार्रवाई से साइबर ठगी के शिकार एक युवक की 40,589 रुपये की पूरी धनराशि वापस कराई गई। रकम खाते में पहुंचते ही पीड़ित के चेहरे पर मुस्कान लौट आई और उसने गोण्डा पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस अधीक्षक श्री विनीत जायसवाल के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्री अजीत कुमार रजक के मार्गदर्शन में थाना इटियाथोक की साइबर हेल्पडेस्क ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। सिकली पुरवा विजयगढ़वा निवासी अकबर अली ने शिकायत दर्ज कराई थी कि साइबर ठगों ने उनके क्रेडिट कार्ड का दुरुपयोग कर ऑनलाइन खरीदारी कर ली है।

शिकायत मिलते ही साइबर हेल्पडेस्क ने जनपदीय साइबर सेल के सहयोग से संबंधित बैंक और इंटरमीडियरी से समन्वय स्थापित किया। तकनीकी एवं वित्तीय प्रक्रिया पूरी कराते हुए पुलिस टीम ने ठगी गई 40,589 रुपये की संपूर्ण धनराशि सुरक्षित रूप से पीड़ित के खाते में वापस करा दी। इस त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर साबित किया कि समय पर शिकायत दर्ज कराने से साइबर ठगी के मामलों में धनराशि वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

गोण्डा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर ठगी की किसी भी घटना पर बिना विलंब 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं तथा अपने बैंक खाते, ओटीपी, पिन, आधार, पैन या अन्य गोपनीय जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति से साझा न करें। सतर्कता और त्वरित सूचना ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

जनता के भरोसे पर आईजी का पहरा: हर फरियादी को मिलेगा समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण न्याय

स्वदेश प्रेम,रमजान अली गोण्डा

गोण्डा। पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र गोण्डा अशोक कुमार ने गुरुवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता, संवेदनशीलता और पूरी प्राथमिकता के साथ सुना। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि हर फरियादी को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण न्याय दिलाना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

आईजी अशोक कुमार ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में अनावश्यक विलंब, लापरवाही अथवा उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके और पुलिस के प्रति जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो।

उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल शिकायतें सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने का प्रभावी मंच है। इसलिए प्रत्येक अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ फरियादियों की समस्याओं को सुने और उनका निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करे।

जनसुनवाई के दौरान आईजी ने एक-एक शिकायत का गंभीरता से संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतकर्ता को न्याय मिलने का वास्तविक अनुभव होना चाहिए। पुलिस की कार्यप्रणाली ऐसी हो कि आमजन स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और न्यायसंगत व्यवस्था का हिस्सा महसूस करें।

आईजी ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक शिकायत की नियमित समीक्षा की जाए तथा निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी पीड़ित को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उसे त्वरित राहत मिले, यह सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। जनसुनवाई के माध्यम से एक बार फिर यह संदेश दिया गया कि देवीपाटन परिक्षेत्र पुलिस आमजन की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और प्रत्येक फरियादी को निष्पक्ष सुनवाई, त्वरित कार्रवाई तथा प्रभावी न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जैन मुनियों ने दिया धर्म साधना का संदेश

अलीगढ़, एजेंसी। खिरनी गेट स्थित श्री लख्मीचंद पांड्या खंडेलवाल दिगंबर जैन ट्रस्ट परिसर में मंगलवार को मंगल कलश स्थापना के साथ चातुर्मास का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में जैन उपाध्याय मुनि शिवदत्त सागर महाराज और मुनि पद्मदत्त सागर महाराज ने धर्म साधना, संयम और आत्मकल्याण का संदेश दिया।

उपाध्याय मुनि शिवदत्त सागर महाराज ने कहा कि चातुर्मास केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर है। मुनि पद्मदत्त सागर महाराज ने कहा कि चातुर्मास पापों के क्षय और पुण्य के संचय का श्रेष्ठ काल है। शुभारंभ ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन और आचार्य के चित्र अनावरण के साथ हुआ। इसके बाद विभिन्न परिवारों ने मंगल कलश स्थापना, पाद प्रक्षालन और शास्त्र भेंट का सौभाग्य प्राप्त किया। प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी राकेश भैया के निर्देशन में सभी धार्मिक अनुष्ठान हुए।मुनि सेवा समिति के मुख्य संयोजक राजीव जैन ने बताया कि कार्यक्रम में आगरा, फिरोजाबाद, टूंडला, मेरठ, नोएडा समेत विभिन्न शहरों से आए श्रद्धालु मौजूद रहे। सोनाली जैन ने भजनों की प्रस्तुति दी।

दुधवा और पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बढ़ रहा बाघों का कुनबा, चार साल में दिखे 60 शावक

लखीमपुर खीरी , एजेंसी। तराई के जंगलों में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। दुधवा और पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पिछले चार वर्षों में 60 से अधिक शावक देखे गए हैं। वर्ष 2026 की बाघ गणना के लिए बीते पांच माह से काम चल रहा है। इसके आंकड़े वर्ष 2027 में आएंगे।

तराई के जंगलों में बाघों की नई पीढ़ी तैयार हो रही है। लखीमपुर खीरी के दुधवा और पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पिछले चार वर्षों में 20 से अधिक बाघिनों के साथ 60 से अधिक शावक कैमरा ट्रैप और वन विभाग की निगरानी में दर्ज किए गए हैं। इनमें कई शावक बड़े होकर बाघ के रूप में अपना अलग इलाका बना चुके हैं या बनाने की ओर हैं। बाघिनों के साथ शावकों की लगातार मौजूदगी तराई में बाघ संरक्षण के बेहतर भविष्य के संकेत दे रही है।

दुधवा में बाघ - फोटो : वन विभाग : 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय टाइगर दिवस पर दुधवा और पीलीभीत टाइगर रिजर्व की तस्वीर बताती है कि बाघों के महत्वपूर्ण ठिकानों में तराई अपनी जगह मजबूत कर रही है। वर्ष 2022 की अखिल भारतीय बाघ गणना में डीटीआर में 135 बाघ आंके गए थे। दुधवा के आसपास के क्षेत्रों को मिलाकर इनकी संख्या करीब 153 बताई गई थी।

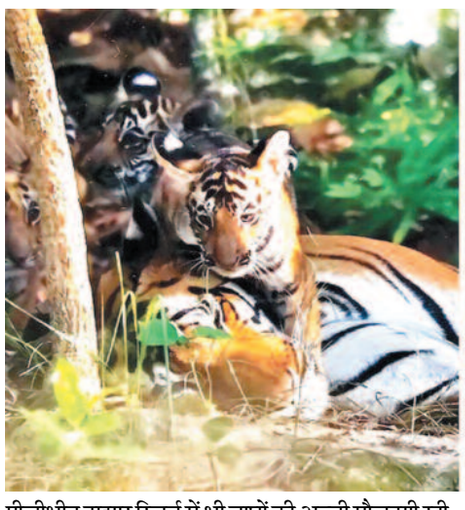

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी बाघों की अच्छी मौजूदगी रही है।

बाघों की संख्या में 30 से 35 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान : इसके बाद कैमरा ट्रैप और आंतरिक निगरानी में नई बाघिनों, शावकों और युवा बाघों की मौजूदगी लगातार दर्ज होती रही है। वर्ष 2022 के बाद बीते चार वर्षों में बाघों का कुनबा बढ़ने से तराई की अनूठी जैव विविधता और समृद्ध हो रही है। वर्ष 2026 की बाघ गणना के लिए बीते पांच माह से काम चल रहा है। इसके नतीजे वर्ष 2027 में आएंगे। अब तक मिले रुझानों के आधार पर यहां बाघों की संख्या में 30 से 35 फीसदी इजाफे का अनुमान है।

वन विभाग के अनुसार, बीते चार वर्षों की निगरानी और कैमरा ट्रैप से मिले तथ्यों के आधार पर दुधवा टाइगर रिजर्व में 35 से अधिक शावकों का जन्म होने का अनुमान है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी 22 शावक जन्मे हैं। खास बात यह है कि इनमें कई शावक अब मां से अलग होकर स्वतंत्र जीवन की ओर बढ़ चुके हैं।

शावकों का बड़ा होना असली सफलता: विशेषज्ञों के मुताबिक केवल शावकों का जन्म होना ही पर्याप्त नहीं है। जन्म के बाद उनका सुरक्षित रहना, शिकार करना सीखना और बड़े होकर अपनी टेरिटरी स्थापित करना स्वस्थ टाइगर लैंडस्केप का महत्वपूर्ण संकेत है। वन विभाग कैमरा टैप की तस्वीरों और बाघों के विशिष्ट धारी पैटर्न के आधार पर उनकी पहचान और गतिविधियों पर नजर रखता है।

दुधवा, किशनपुर और आसपास के वन क्षेत्र के साथ पीलीभीत के जंगल तराई के विस्तृत वन्यजीव परिदृश्य का हिस्सा हैं। बाघों की आवाजाही के लिए जंगलों और कॉरिडोर का जुड़ा रहना उनकी आबादी के दीर्घकालीन संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

दुधवा टाइगर रिजर्व के एफडी डॉ. एच. राजामोहन ने बताया कि दुधवा टाइगर रिजर्व की समृद्ध जैव विविधता और संरक्षण के बेहतर प्रयासों से बाघों की संख्या में यहां लगातार इजाफा हो रहा है। यहां बाघों के लिए पर्याप्त भोजन और सुरक्षित प्राकृतवास उनकी वंशबेल को बढ़ा रहा है। पिछली बाघ गणना में दुधवा और इसके आसपास के क्षेत्र में 153 के करीब बाघ थे। अब इस बार की गणना के नतीजे वर्ष 2027 में आएंगे।

हर बाघ की धारियों का पैटर्न होता है अलग : हर बाघ की धारियों का पैटर्न दूसरे बाघ से अलग होता है। इसी आधार पर कैमरा ट्रैप की तस्वीरों से उनकी पहचान की जाती है। डीटीआर में बाघों की गणना के लिए दिसंबर, 2025 से मई 2026 तक 1800 कैमरे लगाए गए थे। इनके जरिये बाघों की संख्या, बाघिनों के साथ शावकों की मौजूदगी, युवा बाघों की गतिविधि और उनके क्षेत्र में बदलाव की जानकारी जुटाई गई। अब इन कैमरों को तस्वीरों का भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के विशेषज्ञ अध्ययन कर रहे हैं। इसके आधार पर संख्या का पता चलेगी।

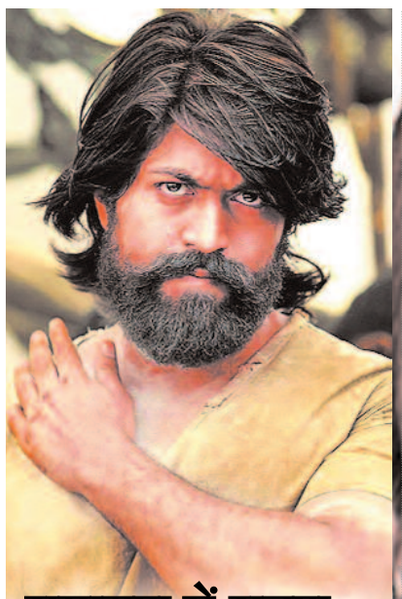

रामायण में रावण का किरदार निभाने पर यश ने की बात

मुंबई फिल्म 'रामायण' को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस बीच, फिल्म में काम करने के साथ-साथ अपने बैनर 'मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस' के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे अभिनेता यश कॉमिक-कॉन इवेंट में अपनी टीम के साथ पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान, फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे यश ने इस रोल की गहराइयों, रामायण के विचारों और आज के समय में भी इसकी सीख क्यों जरूरी है, इस पर खुलकर बात की।

रामायण पर अपने विचार रखते हुए यश ने कहा, 'किसी भी कहानी को बताने के लिए आपको अच्छाई और बुराई, सही और गलत दोनों की जरूरत होती है। उनके मुताबिक, रामायण भगवान राम और रावण के बिल्कुल अलग रास्तों और सफर की कहानी है। इस अंतर को समझाते हुए यश ने कहा, 'भगवान राम राजा के रूप में जन्मे थे, लेकिन उनके सामने ऐसी स्थितियां आईं जहां उन्हें सब कुछ खोना पड़ा। फिर अपने अच्छे व्यवहार और सही कामों के दम पर उन्होंने अपनी ताकत वापस हासिल की। दूसरी तरफ, रावण ने बिल्कुल शुरुआत से सफर शुरू किया और बहुत ताकतवर बना। लेकिन कभी-कभी जैसा कहा जाता है, जब आप किसी राक्षस से लड़ते हैं, तो आप खुद उससे भी बड़े राक्षस बन जाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है।' यश के मुताबिक, यही अंतर इस कहानी को हर दौर के लिए खास बनाता है। जहां भगवान राम ने अपने संस्कारों और सही कामों से सब कुछ वापस पाया, वहीं रावण का सफर यह याद दिलाता है कि कैसे ताकत जब बदले और अहंकार से भर जाती है, तो विनाश की ओर ले जाती है।

रावण के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन (खलनायक) से कहीं ज्यादा गहरा है। उन्होंने कहा, 'वह कई कलाओं का ज्ञानी था।' यश ने आगे जोड़ा कि अपार ज्ञान और क्षमताओं के बावजूद रावण आखिरकार 'अपनी ताकत पर काबू नहीं रख पाया।' यश के अनुसार, यही विरोधाभास उन्हें पौराणिक कथाओं का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है। रोल की तैयारियों पर बात करते हुए यश ने कहा कि उनका ध्यान रावण को नए सिरे से गढ़ने पर नहीं, बल्कि उसकी सोच को समझने पर था। उन्होंने खुद से पूछा, 'एक एक्टर के तौर पर आप इसमें नया क्या ला रहे हैं? इस किरदार के बारे में आपकी अपनी क्या समझ है?' निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सोच की तारीफ करते हुए यश ने कहा, 'मैं यह समझना चाहता था कि रावण ने जो कुछ भी किया, उसके पीछे उसकी क्या वजह थी। मेरे लिए उसके कामों के पीछे की मंशा को समझना बाकी किसी भी चीज़ से ज्यादा जरूरी था।'

टेलीविजन में काम करना आसान नहीं, यहां कलाकारों को कम समय में अपना बेस्ट देना होता है

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।''

निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।''

उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'

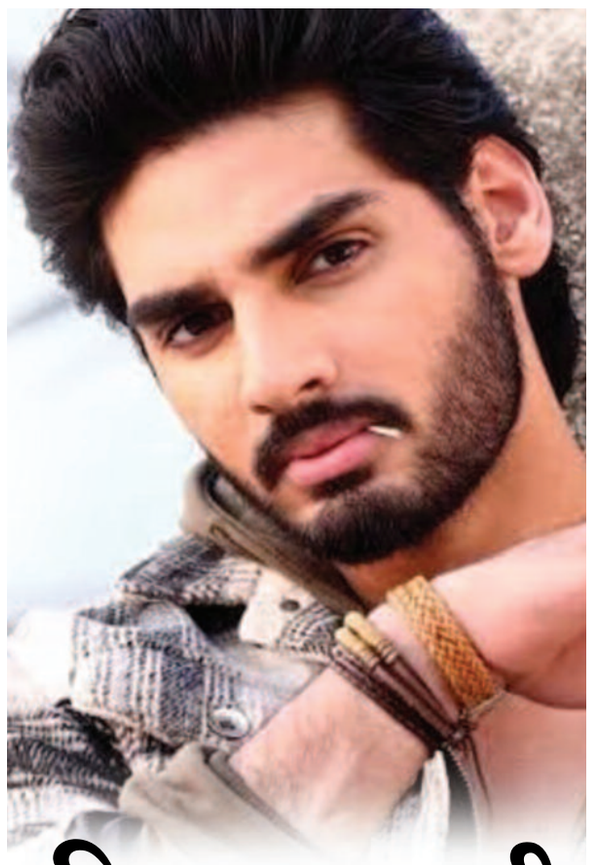

विक्रम भट्ट की '1920: कोल्ड...' से जुड़े अहान शेट्टी

अहान शेट्टी अब अपने करियर में नया प्रयोग करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने निर्देशक विक्रम भट्ट की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म '1920 : कोल्ड विंटर' के लिए हामी भर दी है। यह अहान के करियर की पहली हॉरर फिल्म होगी। 'तड़प' से रोमांटिक-एक्शन हीरो के रूप में शुरुआत करने वाले अहान हाल ही में 'बॉर्डर 2' में भी दिखे थे। अब वह अलग-अलग जॉनर में खुद को साबित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि, इस खबर पर अभी तक मेकर्स या एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है विक्रम की फिल्म

'1920 : कोल्ड विंटर' फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है। सूत्रों का कहना है कि अहान अपनी फिल्मोग्राफी को सीमित दायरे में नहीं रखना चाहते और इसी वजह से उन्होंने हॉरर जैसे जॉनर में दिलचस्पी दिखाई है। माना जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार अब तक निभाए गए रोल्स से अलग होगा।

फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश जारी

फिल्म के निर्माण से जुड़े सूत्रों का दावा है कि विक्रम और निर्माता आनंद पंडित इन दिनों फिल्म की लीड एक्ट्रेस की तलाश में हैं। मेकर्स किसी नए चेहरे के बजाय ऐसी एक्टेस को कास्ट करना चाहते हैं, जिसकी इंडस्ट्री में अच्छी पहचान हो। अगर सभी तैयारियां तय समय पर पूरी हो जाती हैं, तो फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू किए जाने की प्लानिंग है। फिल्म की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी शूटिंग शुरू होने से पहले निर्माता-निर्देशक की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी। इसके बाद फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग शिमला की खूबसूरत और रहस्यमयी लोकेशंस पर भी किए जाने की संभावना है। मेकर्स का मानना है कि इन स्थानों का माहौल फिल्म की सुपरनैचुरल कहानी को और प्रभावशाली बनाएगा।

'वाराणसी' मेरी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसके साथ प्रियंका लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म अप्रैल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी। हाल ही में प्रियंका ने बताया कि वह पिछले 14 महीनों से इस फिल्म पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजामौली अपनी फिल्मों पर काफी समय देते हैं और 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर बेस्ड फिल्म है। प्रियंका ने बताया कि फिल्म में उन्होंने कई स्लो मोशन एक्शन सीक्वेंस भी किए हैं। इसके अलावा अपने एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है। प्रियंका ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म साइन करते समय उन्होंने राजामौली से कहा था कि भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं, इसलिए वह एक डांस सॉन्ग जरूर करना चाहती हैं।

'खलीफा' से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं मालविका शर्मा

मालविका शर्मा मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत फिल्म 'खलीफा' से करने जा रही हैं। यह एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और मोहनलाल जैसे दिग्गज कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वैशाख ने किया है, जबकि इसकी कहानी जिनु अब्राहम ने लिखी है। यह फिल्म 20 अगस्त 2026 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। निर्माताओं ने 'खलीफा' को दो पार्ट वाली फ्रेंचाइज के रूप में तैयार करने की योजना बनाई है। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिनकी शूटिंग लंदन, दुबई, केरल और नेपाल सहित कई देशों और लोकेशंस पर की गई है। फिल्म का पहला लिरिकल वीडियो 21 जुलाई यानि आज शाम 6 बजे रिलीज किया जाएगा। इसके साथ जारी टैगलाइन 'बदला सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा' कहानी के गंभीर और नाटकीय अंदाज की झलक देती है। बता दें कि मालविका इससे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों 'नेला टिकट', 'भीमा' के जरिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। वहीं, वैशाख और पृथ्वीराज की जोड़ी 'पोक्किरी राजा' के बाद दोबारा साथ आई है, जबकि लेखक जिनु अब्राहम मोहनलाल के साथ तीसरी बार काम कर रहे हैं।

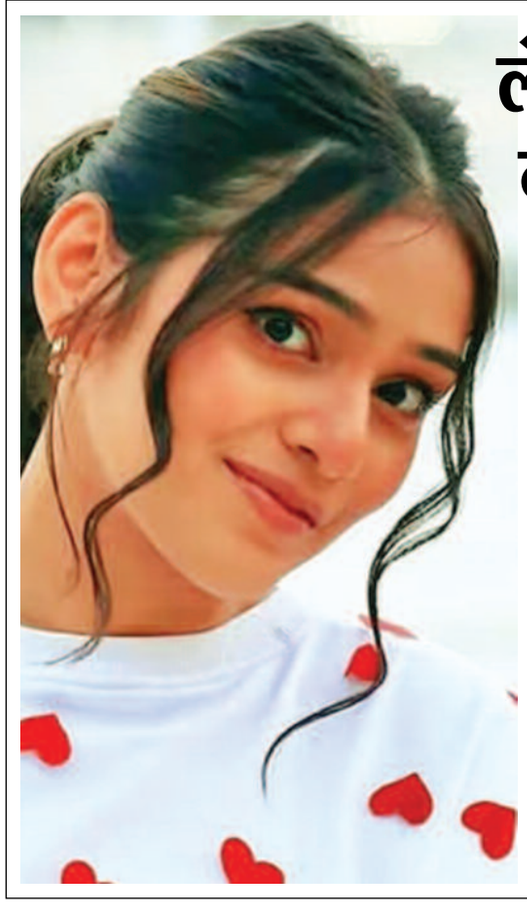

लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं आरजे महविश

कुछ लोग करियर में आगे बढ़ने के लिए हुनर के साथ खुशामद भी सीख लेते हैं लेकिन आरजे महविश उस स्कूल की छात्रा कभी नहीं रहीं। शायद, यही वजह रही कि बॉस के लिए मिंडी ना लाने वाली यह लड़की कई बार दूसरों से पीछे रह गई, लेकिन रुकी नहीं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के चुनावों से लेकर एक राजनीतिक दल के टिकट के प्रस्ताव तक, उन्होंने कई मोड़ करीब से देखे पर अपनी शर्तों पर फैसले लिए। रेडियो, लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं, जहां किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि जीने की कोशिश करती हैं।

एक पॉलिटिकल पार्टी का ऑफर भी आया था

रेडियो और डिजिटल में मैंने अपनी खुद की आवाज, लहजा और भाषा क्रिएट की। वहीं, जब ऐक्टिंग में कोई किरदार निभाती हूं तो उसका बदलाव सारा कहानी में दर्ज होता है। किरदार को जो भी ऐक्टर जितना घोंटकर पी सकता है, जितनी उस पर रिसर्च हो सकती है, करनी चाहिए। मैं अलीगढ़ में जब रहती थी, तब भी सही-गलत बहुत साफ-साफ दिखता था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मैं इलेक्शन में खड़ी हुई थी। यह बहुत कम लोगों को पता है। फिर मुझे बाद में एक पार्टी का टिकट भी आया था। फिर वो कहानी चली और कुछ और हो गई। वहां लड़ाइयां-झगड़े ज्यादा बढ़ गए। उसमें मेरे भाई को गोली लग गई थी। मैंने उस दिन से कभी पॉलिटिक्स में दोबारा कदम नहीं रखा। मैं अपने पर खतरा ले सकती हूं लेकिन घरवालों पर नहीं। वो सच्चाई को ना छुपाने वाला कीड़ा होता है ना वो मुझमें है।

बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा

ऐक्टिंग में आकर मुझे सबसे पहले बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा क्योंकि प्रोडक्शन में बहुत बजट का टेंशन होता है। प्रोडक्शन के साथ जब मैं ऐक्टिंग कर रही होती थी तो मुझे ऐसा लगता था कि बार-बार लाइट जा रही है, जनरेटर चल रहा है, बजट बढ़ जाएगा, लोकेशन का खर्चा बढ़ रहा है, वैनिटी वैन तीन-तीन लगवा दीं, ये क्या हो रहा है। मुझे सबसे पहले यही अनलर्न करना पड़ा क्योंकि बिहाइंड द सीन्स में मैं बजट में फंसी रहती थी। वो अनलर्न करके मैंने 'सतरंगी' में फाइनली पूरी खुलकर ऐक्टिंग की है। हालांकि, इसे करते वक्त मेरे अंदर जिम्मेदारी का डर था। मुझे जिंदगी में पहली बार इतना बड़ा मौका मिला। मुझे ऐसा किरदार और कहानी मिली, जो सिर्फ एंटरटेनमेंट ही नहीं बल्कि एक सोशल मेसेज भी देती है। इससे आप सोसायटी में चेंज भी ला सकते हैं। अगर एक फैमिली भी बैठकर सीरीज पर चर्चा करती है तो यह मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट होगी।

फॉलोअर्स, फॉलोअर्स नहीं फैन हैं

रील्स के बाद असली ऐक्टिंग की दुनिया में आने पर मुझे लगा था कि दुनिया के सामने खुद को साबित करना पड़ेगा। असल में, एक क्रिएटर के सारे एक्सप्रेशंस बहुत ज्यादा बाहर होते हैं, जो लोगों को दिख चुके होते हैं। एक प्रोड्यूसर के लिए हैपी न्यूज है कि कोई क्रिएटर ऐक्टिंग करे। अगर ऑडियंस तक अपने जज्बात पहुंचा पाए तो आप ऐक्टर हैं। मेरे खयाल से यह बड़ी गुड न्यूज है कि अगर ऐक्टर अपने साथ ऑडियंस भी ला रहा है। वो पैसा रिकवर कर सकता है। वो कहते हैं ना कि पांच जानने वालों को अगर कॉल करें तो वो आकर नहीं खड़े होते हैं लेकिन मेरी एक स्टोरी पर पांच लाख अंजान लोग आकर खड़े हो जाते हैं। वो कम्युनिटी बहुत मेहनत से बिल्ड होती है। जो फॉलोअर्स हैं, वो फॉलोअर्स नहीं फैन हैं। हालांकि, ऐक्टिंग और कॉन्टेंट क्रिएशन बहुत अलग-अलग स्किल्स हैं। अगर स्किल सीखकर आ रहे हैं तो ही फायदा है, वरना नहीं।

कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है

रेडियो में आवाज से तो ऐक्टिंग में हाव-भाव और आंखों से इमोशन पहुंचता है। मेरे लिए दोनों ही मीडियम बहुत ईमानदार हैं। रेडियो में आप ऑडियंस से सीधे कनेक्ट होते हैं। अगर मैं किसी को फोन लगाकर कुछ पूछूंगी तो मुझे उनके जज्बात तुरंत मिल जाएंगे। उस पर मैं अपना रिएक्शन दे सकती हूं। ऐक्टिंग में पूरी कहानी किसी के द्वारा सोची गई होती है, जिसे सच करके दिखाना होता है। वो थोड़ी दिक्कत होती है क्योंकि रेडियो रिएलिटी है और ऐक्टिंग एक पूरी कल्पना है। मेरे हिसाब से कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है। उसमें इमैजिन करके घुसना होता है। हालांकि, राइटर के तौर पर मेरे लिए चीजें आसान हो जाती हैं क्योंकि मैंने 2012 में खुद दो किताबें लिखी हैं। मैंने वो कल्पना वाली जिंदगी जी है इसलिए ऐक्टिंग भी मेरे लिए आसान है।

संपादकीय

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है, तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा– बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ?

सम्पादक
शान मोहम्मद

हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी।

यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है, क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए।

सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते, तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा।

फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें।

इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है।

यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना। आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों–शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान–में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी। वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी।

साहित्य के अमर शिल्पकार मुंशी प्रेमचंद और उनकी कालजयी विरासत

दिलीप कुमार पाठक

आज इकतीस जुलाई को हिंदी और उर्दू साहित्य के सबसे बड़े लेखक मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। जब हम प्रेमचंद का नाम सुनते हैं तो हमारे दिमाग में एक ऐसे सीधे-साधे इंसान की तस्वीर उभरती है जिसने हमेशा आम जनता की बात की। उन्होंने राजा-रानियों और परियों की काल्पनिक कहानियों को छोड़कर समाज के सबसे गरीब और बेबस लोगों को अपनी लेखनी का हीरो बनाया। प्रेमचंद केवल कहानियां लिखने वाले लेखक नहीं थे बल्कि वे अपने समय से बहुत आगे की सोचने वाले एक सच्चे युग द्रष्टा थे। उन्होंने समाज को देखने और समझने का एक नया नजरिया दिया। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने करीब सौ साल पहले जिन सामाजिक बुराइयों और इंसानी स्वभाव को पहचाना था वे सारी बातें आज भी हमारे समाज में सच साबित हो रही हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के जरिए एक ऐसी साहित्यिक विरासत हमारे बीच छोड़ी है जो हमेशा हमारा रास्ता रोशन करती रहेगी।

प्रेमचंद के पूरे साहित्य की सबसे बड़ी ताकत उसकी सादगी और जमीन से जुड़ी सच्चाई थी। उन्होंने भारत के गांवों, वहां के किसानों और मेहनत करने वाले मजदूरों के दुख-दर्द को बहुत करीब से देखा और महसूस किया था। उनका साहित्य केवल समाज की कमियां नहीं गिनाता बल्कि हमें अंदर से झकझोर कर सोचने पर मजबूर कर देता है। उन्होंने गोदान, गबन और रंगभूमि जैसे महान उपन्यासों के जरिए उस समय के जमींदारों और सूदखोरों पर सीधा हमला किया जो गरीब जनता का खून चूस रहे थे। प्रेमचंद ने पैसों की भूख, जातिवाद, छुआछूत और महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ अपनी कलम को सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी दूरदर्शिता इसी बात से समझ आती है कि वे बहुत पहले जान गए थे कि जब तक हमारे देश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक देश की तरक्की की बातें बिल्कुल अधूरी हैं। उनकी छोटी-छोटी कहानियों का असर इतना गहरा है कि वे सीधे पाठक के दिल में उतर जाती हैं। पूस की रात, कफन और ठाकुर का कुआं जैसी कहानियां मनोरंजन के लिए नहीं लिखी गई थीं बल्कि वे समाज का आईना थीं। कफन कहानी में भूख और तंगहाली के कारण संवेदनहीन हो चुके बाप-बेटे के जरिए उन्होंने दिखाया कि भयंकर गरीबी कैसे इंसान के भीतर की दया और ममता को मार देती है। वहीं ठाकुर का कुआं कहानी में उन्होंने जाति के नाम पर होने वाले उस भेदभाव को दिखाया जो आज भी हमारे समाज में किसी न किसी रूप में दिखाई दे जाता है। प्रेमचंद ने इंसानी दिमाग और उसकी भावनाओं को इतनी गहराई से समझा था कि उनके बनाए किरदार वक्त के साथ पुराने नहीं हुए बल्कि आज भी हमारे आसपास जीते-जागते नजर आते हैं।

अगर हम उनके साहित्यिक प्रभाव की बात करें तो प्रेमचंद ने अपने बाद आने वाले लेखकों की कई पीढ़ियों की सोच को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने साहित्य की भाषा को बड़े-बड़े विद्वानों के कमरों से निकालकर आम लोगों की बोलचाल की भाषा बनाया। उन्होंने हिंदी और उर्दू के शब्दों को मिलाकर एक बेहद सरल हिंदुस्तानी भाषा तैयार की जिसे पढ़ना और समझना हर किसी के लिए आसान था। प्रेमचंद का मानना था कि लेखक का काम सिर्फ सुंदर शब्द लिखना नहीं है बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने साहित्य को समाज में बदलाव लाने का एक जरिया बना दिया जिससे प्रेरणा लेकर बाद के अनगिनत लेखकों ने सच लिखने का रास्ता चुना। प्रेमचंद ने अपना पूरा जीवन बहुत तंगी और अभावों में गुजारा लेकिन उन्होंने कभी अपने स्वाभिमान और सच का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने महलों की सुख-सुविधाओं के आगे झुकने के बजाय विपरीत परिस्थितियों में रहकर सच लिखना ज्यादा ठीक समझा। उनकी यही दूरदर्शिता और आम जनता से जुड़ाव उन्हें साहित्य जगत का असली साहित्य सम्राट बनाता है। उनकी छोड़ी हुई विरासत हमें सिखाती है कि सच्चा साहित्य वही है जो हर दौर में सच का साथ दे और इंसानी भावनाओं को जिंदा रखे। उनका यह प्रभाव आने वाले कई युगों तक ऐसे ही बना रहेगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

धरती तप रही है : बढ़ती गर्मी और मानव जीवन पर मंडराता खतरा

सुनील कुमार महला

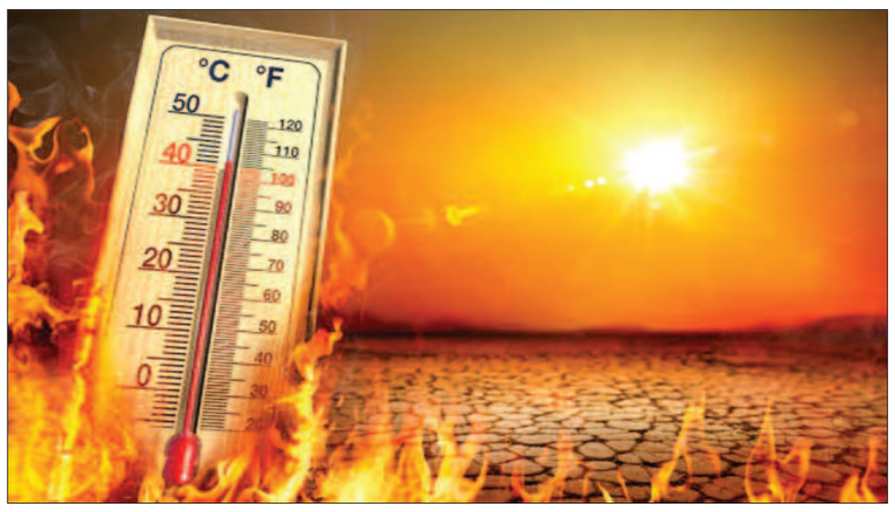

आज धरती का तापमान लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। वास्तव में, कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आज पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग, वनों की अंधाधुंध कटाई, तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और कार्बन उत्सर्जन के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका प्रभाव पूरी दुनिया में हीटवेव, सूखा, बाढ़, अनियमित वर्षा, समुद्र-स्तर में वृद्धि और जंगलों में भीषण आग जैसी घटनाओं के रूप में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बढ़ती गर्मी का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिकों तथा गरीब और विकासशील देशों की आबादी पर पड़ रहा है।

इसी संदर्भ में शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (इपीआइसी) के अंतर्गत कार्यरत क्लाइमेट इंपैक्ट लैब ने मार्च 2026 में अडैप्टेशन रोडमैपः ह्यूमन हेल्थ-बढ़ते तापमान का मौत पर असर मापना ताकि अडैप्टेशन प्लानिंग को टारगेट किया जा सके शीर्षक से एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण होने वाली ताप-जनित (हीट-रिलेटेड) मौतों तथा उनसे बचाव के उपायों का विस्तृत आकलन प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट के अनुसार यदि वैश्विक तापमान वर्तमान गति से बढ़ता रहा, तो अत्यधिक गर्मी के कारण हर वर्ष लगभग 4.3 लाख (430,000) अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हो सकती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब देशों पर पड़ेगा, क्योंकि वहाँ जलवायु अनुकूलन (एडैप्टेशन) के लिए आवश्यक संसाधन सीमित हैं। रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि मृत्यु दर केवल तापमान बढ़ने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि लोगों को विश्वसनीय बिजली, एयर कंडीशनर, शीतल आवास, स्वास्थ्य सेवाएँ और प्रभावी हीट-एक्शन प्लान जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं या नहीं। दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका को सबसे अधिक जोखिम वाला क्षेत्र बताया गया है, क्योंकि वहाँ अत्यधिक गर्मी के साथ गरीबी और ऊर्जा की कमी भी मौजूद है। बढ़ते तापमान का एक और गंभीर परिणाम जंगलों में लगने वाली आग की बढ़ती घटनाएँ हैं। इससे न केवल जैव-विविधता और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचता है, बल्कि मानव बस्तियाँ भी खतरे में आ जाती हैं। यूरोप, जिसे कभी अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब वहाँ भी वनाग्नि की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल हाल के वर्षों में भीषण आग से प्रभावित हुए, जिसके कारण लगभग ढाई लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। भारत में भी हर वर्ष जंगलों की आग से वन संपदा, वन्यजीवों और पर्यावरण को व्यापक क्षति होती है।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यदि अभी से स्वच्छ ऊर्जा, विश्वसनीय बिजली, किफायती शीतलन (कूलिंग) सुविधाओं, प्रभावी हीट-एक्शन प्लान, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं और जलवायु-अनुकूल अवसंरचना में निवेश किया जाए, तो वर्ष 2050 तक होने वाली लाखों संभावित मौतों को रोका जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। इसलिए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी, हरित ऊर्जा को बढ़ावा, वनों का संरक्षण और प्रभावी जलवायु अनुकूलन उपाय अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व स्तर पर अनेक योजनाएँ और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। विडंबना यह है कि जिन देशों का कार्बन उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है, वही जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर दुष्प्रभाव झेल रहे हैं। दूसरी ओर, विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कार्बन उत्सर्जन को लगातार बढ़ा रहे हैं। इसमें विकसित देशों का योगदान सबसे अधिक है, फिर भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में उनकी अपेक्षित सक्रियता दिखाई नहीं देती।

अंततः निष्कर्ष के तौर पर यहां पर यह कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान को कम करना केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम कर सौर, पवन और जल जैसी हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और वनों का संरक्षण, ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी तथा उद्योगों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और जन-जागरूकता को भी बढ़ावा देना होगा। यदि आज ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को और भी गंभीर जलवायु संकट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रकृति के साथ संतुलित विकास का मार्ग अपनाकर ही पृथ्वी को सुरक्षित, स्वच्छ और रहने योग्य बनाया जा सकता है।

बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दाँव, ट्रंप के दूत ढाका दौड़े उलटे पाँव

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद-प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है।

बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस-बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश-म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है।

यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस-चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है। सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद-प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है क्योंकि यदि चीन का आर्थिक गलियारा और रूस की वित्तीय व्यवस्था समानांतर रूप से मजबूत होती है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। भारत को ऐसे समय संतुलित कूटनीति, मजबूत आर्थिक संपर्क और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करना होगा।

बहरहाल, स्पष्ट है कि यह केवल व्यापारिक प्रस्ताव या एक राजनयिक यात्रा की कहानी नहीं है। यह उस नए एशियाई शक्ति-संतुलन का संकेत है जिसमें डॉलर की जगह स्थानीय मुद्राएं, प्रतिबंधों की जगह वैकल्पिक वित्तीय तंत्र और पारंपरिक गठबंधनों की जगह बहुध्रुवीय समीकरण तेजी से आकार ले रहे हैं। बांग्लादेश इस नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता दिख रहा है और भारत उसकी धुरी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

SVADESH प्रेम NEWS CHANNEL
स्वदेश प्रेम
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सूचना

विज्ञापनों में किए गए किसी भी दावे का 'स्वदेश प्रेम' दैनिक समाचार पत्र समर्थन नहीं करता है। पाठक स्वयं जांच-परख अवश्य करें।

यदि आप किसी विषय में रूचि रखते हैं और लिखने के इच्छुक हैं, तो आप अपनी रूचि से संबंधित आलेख हमें भेज सकते हैं। यदि आपका आलेख 'स्वदेश प्रेम' में प्रकाशन योग्य हुआ, तो उसे जरूर प्रकाशित किया जाएगा। कृपया सूचनात्मक, सकारात्मक एवं तथ्यात्मक आलेख ही भेजें।

Svadeshprem0@gmail.com | www.svadeshprem.com

प्रिय पाठकों,

यदि आप 'दैनिक स्वदेश प्रेम' में अपना जन्मदिन संदेश प्रकाशित करवाना चाहते हैं, तो अपना फोटो, उम्र व नाम हमें हमारी ईमेल पर या हमारे व्हाट्सएप नंबर पर भेजें।

Svadeshprem0@gmail.com | www.svadeshprem.com

'स्वदेश प्रेम' में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से प्रकाशक एवं संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। ये लेखकों के स्वयं के दृष्टिकोण हैं। पत्र में प्रकाशित किसी भी रचना व लेख का किसी भी तरह का पारिश्रमिक लेखक को देय नहीं है।

व्हाट्सएप/फोन पर संपर्क के लिए
संपर्क सूत्र (Landline): +91 11-47012771
मोबाईल (Mobile): 9810993893
Email: Svadeshprem0@gmail.com
Web: www.svadeshprem.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक शान मोहम्मद द्वारा 'स्वदेश प्रेम' समाचार पत्र के लिए प्रकाशित एवं मुद्रित।

बढ़ती उमस कर न दे पस्त

मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्कोहल, कोलेस्ट्रॉल और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इंफेक्शन, रैशेज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशेज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते है। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं।

डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।

निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।

आदत बदलें सेहत सुधारें

कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रहीं या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान! हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं -

पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इनका एक और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सर्दी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इंफेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने स्टिक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।

मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान

आपकी खूबसूरती को बयां करने मे आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

स्पिलिंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कराहट प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ली है, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाये जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कराहट उतनी ही मोहक बनी रहती है।

वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे मे मौलाना आजाद इंस्टिटयूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग टूथपेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन

हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टर्स द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं।

इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसरती

पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कराहट पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखेरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इंप्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटीनोपेथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चैकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

कई रोगों की एक दवा हैं

कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है ।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है ।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है ।मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक शान मोहम्मद द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस,बी-42, सेक्टर 7, नोएडा-201301, से छपवा कर सी -55/3 गली नं. 3 श्रीराम कॉलोनी, राजीव नगर, दिल्ली-110094 से प्रकाशित एवं प्रसारित। समाचार पत्र से सम्बंधित सभी विवादों का निपटारा केवल दिल्ली न्यायालय में ही मान्य होगा। RNI No. DELHIN/2022/86452 E-mail: svadeshprem0@gmail.com सम्पादकः शान मोहम्मद, मोबाइल नं.: 9810993893, 9891916389